www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 जब भाषा बन जाए आत्मसम्मान का सवाल, गृहमंत्री का संकेत और हमारी जिम्मेदारी

पाकिस्तान में क्रिप्टो बिजनेस की कमान संभालेंगे आर्मी चीफ मुनीर 06

वर्ष :17 | अंक :82 | प्रयागराज , सोमवार , 23 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में अनेक जगह मूसलाधार बारिश

दक्षिण पश्चिम मानसून के असर से राजस्थान में बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में अनेक जगह भारी से अति भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार सबसे अधिक लगभग 180 मिलीमीटर बारिश माउंट आबू तहसील में हुई। राज्य में बारिश का दौर अभी जारी रहने का अनुमान है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के चौबीस घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान में अधिकांश जगहों पर बारिश हुई वहीं कई जगह भारी से अति भारी बारिश हुई। पश्चिमी राजस्थान में भी बारिश हुई। इस दौरान माउंट आबू में 181.4 मिलीमीटर, भीलवाड़ा में 175 मिलीमीटर, कोटा में 44.9 मिलीमीटर, चित्तौड़गढ़ में 27 मिमी., जयपुर में 20.8 मिमी. व सीकर में 13 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अनुसार पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने तथा भरतपुर, कोटा, जयपुर संभाग के कुछ भागों में 22-24 जून को कहीं भारी/अतिभारी बारिश होने की संभावना है।

मैनपुरी में बीएससी की छात्रा ने फंदा लगाकर आत्महत्या की

मैनपुरी जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना क्षेत्र में बीएससी (विज्ञान स्नातक) की एक छात्रा ने कथित तौर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) फतेह बहादुर सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि गांव नगला दौलत की निवासी बीएससी की छात्रा अंजलि (23) ने शनिवार रात को अपने घर के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के परिवार के लोगों ने उसकी आत्महत्या का कारण नहीं बताया और आत्महत्या के कारणों के बारे में अनभिज्ञता जताई। उन्होंने कहा कि मामले में छानबीन की जा रही है।

हथियार डाल दो, नहीं तो बारिश में भी सोने नहीं देंगे, शाह की नक्सलियों को चेतावनी

नक्सलियों को चेतावनी

गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उन्होंने रुके हुए नक्सल ऑपरेशन को तेज गति से शुरू किया।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) परिसर और एक केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। शाह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं, जिसके दौरान वह एक सुरक्षा शिविर का दौरा करेंगे और चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों पर बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान शाह के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और मंत्री भी थे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि आज इसे आधुनिक बनाने के लिए 3 नई पहल की जा रही हैं। एक- आज नवा रायपुर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के परिसर की आधारशिला रखी गई। दो- आज नवा रायपुर में केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की भी नींव रखी गई। तीन, जब तक विश्वविद्यालय का नया भवन तैयार नहीं हो जाता, तब तक इसके स्थायी परिसर की भी आज शुरूआत हो गई है। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद निवेश शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें 5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। छत्तीसगढ़ में कई उद्योग आ रहे हैं। मैं यहां छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्पष्ट कहने आया हूं। जब तक युवा स्वयं उद्योगपति नहीं बनेंगे, तब तक छत्तीसगढ़ का निवेश औद्योगिक क्रांति का कारण नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि वह नक्सलवाद की राह पर चले गए भटके युवाओं से हथियार छोड़ने की अपील करना चाहते हैं।

रायपुर में एएफएसयू कैंपस का किया शिलान्यास

शाह ने नक्सलियों से हिंसा छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने का किया अनुरोध

बातचीत की कोई जरूरत नहीं है, बस हथियार छोड़ दें, विकास की यात्रा में शामिल हों और आकर्षक आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाएं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, हर बार बारिश के मौसम में नक्सली थोड़ा आराम करते थे (क्योंकि घने जंगल के अंदर उफनती नदियां और नाले नक्सल विरोधी अभियानों में बाधा डालते हैं), लेकिन इस बार, हम उन्हें मानसून के दौरान सोने नहीं देंगे और हम 31 मार्च के लक्ष्य को हासिल करने के लिए और आगे बढ़ेंगे।

> गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उन्होंने रुके हुए नक्सल ऑपरेशन को तेज गति से शुरू किया। मैंने देखा है कि सरकार बनने के बाद से इस सरकार ने न सिर्फ नक्सल विरोधी अभियान को तेज किया है बल्कि समय-समय पर इसका मार्गदर्शन भी किया है।

अमेरिका ने ईरान के एटमी ठिकानों पर किया हमला

भेजे 125 जेट, इनमें 7 बी-2 बॉम्बर; 3 न्यूक्लियर साइट्स पर 14,000 किलो के दर्जनभर बम गिराए

> ट्रम्प बोले- ईरान के न्यूक्लियर साइट्स तबाह किए इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स यानी कि पूरी तरह से तबाह कर दी गई है। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है।

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव, अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ। ईरान पर हमले के करीब 13 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने हमले की डिटेल दी है। जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डैन केन ने बताया कि इस मिशन में 125 एयरक्राफ्ट शामिल थे। इस ऑपरेशन में 7 इ-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया, जिन्होंने ईरान के फोर्डो और नतांज न्यूक्लियर ठिकानों पर 13,608 किलो वजनी बस्टर बम गिराए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करनी चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दावा किया है कि अमेरिकी हमलों ने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को काफी पीछे कर दिया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प अब एक कूटनीतिक रास्ता तलाश रहे हैं। वेंस ने कहा- हम अब इसे लंबा खींचना नहीं चाहते हैं। न ही इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं। हम ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को पूरी तरह से खत्म करना चाहते हैं। ईरान पर अमेरिकी हमलों के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। प्रेसीडेंट ऑफिस के मुताबिक मैक्रों ने इस मुद्दे पर सऊदी अरब और ओमान के नेताओं से बात की है और अब यूरोपीय नेताओं से भी चर्चा करेंगे। फ्रांस ने साफ किया है कि उसने अमेरिकी हमलों में हिस्सा नहीं लिया। फ्रांसीसी विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने ईरान पर हमले को लेकर चिंता जताई और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की।

अमेरिकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान से की बात, बढ़ते तनाव पर जताई चिंता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बातचीत की तथा ईरान और इजराइल के बीच तनाव को संवाद और कूटनीति के माध्यम से घटाने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी और ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियान के बीच फोन पर यह बातचीत अमेरिका द्वारा ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर बमबारी किए जाने के कुछ ही घंटे बाद हुई। इस बमबारी से क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया। पीएम मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने तनाव बढ़ने पर गहरी चिंता जताई। मोदी ने कहा, ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान से बात की।

ईसीआई का बड़ा कदमः मीडिया के सहयोग से मतदाता जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी

चुनाव आयोग पहली बार केंद्रीय स्तर पर राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला आयोजित करेगा

एजेंसी

नई दिल्लीः भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) मीडिया के सहयोग से मतदाता पहुंच बढ़ाने के लिए पहली बार केंद्रीय स्तर पर एक राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला आयोजित करेगा. 7 जुलाई को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में यह कार्यशाला होने की संभावना है. सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस बाबत पत्र भेजा है. क्या लिखा पत्र में: ईसीआई ने पत्र में लिखा है, दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में 7 जुलाई को एक राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला आयोजित की जा सकती है. कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्रीय मीडिया के साथ आयोग के जुड़ाव को मजबूत करना तथा चुनावी जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए एक मजबूत संचार नेटवर्क विकसित करना है. कौन-कौन लेंगे कार्यशाला में भागः पत्र के अनुसार, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 10 प्रमुख क्षेत्रीय मीडियाकर्मी कार्यशाला में भाग लेंगे. इसके अलावा सीईओ कार्यालय के अधिकारी जो सीधे मीडिया और संचार कार्य से जुड़े हैं।

कार्यशाला का उद्देश्यः

- कार्यशाला का व्यापक उद्देश्य रणनीतिक मीडिया सहयोग के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाना, क्षेत्रीय मीडिया पेशेवरों के साथ संपर्क को मजबूत करना और ईसीआई संचार की पहुंच को अधिकतम करने के लिए संचार नेटवर्क विकसित करना है.
- चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया, कार्यशाला का उद्देश्य मीडियाकर्मियों को चुनावी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देना है. इससे उन्हें अपना ज्ञान बढ़ाने में मदद मिलेगी. इससे उन्हें सटीकता बनाए रखते हुए अपनी रिपोर्टिंग में मदद मिलेगी.
- बीएलओ का किया गया प्रशिक्षितः बता दें कि ईसीआई ने लोगों को बेहतर सेवा प्रदान करके चुनावी प्रक्रिया की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से डीईओ, ईआरओ और बीएलओ सहित 3,000 से अधिक चुनाव पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया है.

एअर इंडिया ने सिंगापुर की दो फ्लाइट सस्पेंड की

19 घरेलू रूट पर फ्लाइट्स की संख्या घटाई; 15 जुलाई तक रहेगा बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली, एअर इंडिया ने तीन फ्लाइट्स को 15 जुलाई तक अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया है। इसमें दो इंटरनेशनल फ्लाइट बेंगलुरू से सिंगापुर, पुणे से सिंगापुर की हैं। वहीं एक डोमेस्टिक फ्लाइट है, जो मुंबई से बागडोगरा चलती है। एयरलाइन ने रविवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि, वे 19 रूट पर चलने वाली डोमेस्टिक फ्लाइट्स की संख्या भी घटा रहे हैं।

पहलगाम हमला- आतंकियों को पनाह देने वाले 2 लोग गिरफ्तार

एनआईए ने पहलगाम से अरेस्ट किया; आरोपियों ने बताया- आतंकी पाकिस्तानी नागरिक, लश्कर से जुड़े

हमले की जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे

हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे। 24 अप्रैल को अनंतनाग पुलिस ने 3 स्केच जारी किए। इसमें तीन आतंकियों के नाम थे, अनंतनाग का आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली उर्फ तल्हा भाई। मूसा और अली पाकिस्तानी हैं। मूसा पाकिस्तान के स्पेशल सर्विस ग्रुप में कमांडो रह चुका है। इन पर 20-20 लाख रुपए का इनाम भी रखा गया है। फिलहाल यह साफ नहीं हुआ है कि ठकअ ने जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उन्होंने इन्हीं तीन आतंकियों के नाम उजागर किए हैं या किन्हीं और आतंकियों के।

एजेंसी

श्रीनगर, पहलगाम आतंकी हमले के दो महीने बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और

प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे। एनआईए के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई थीं।

बढ़ते संघर्ष के बीच कश्मीर के छात्रों सहित 311 भारतीय नागरिक ईरान से सुरक्षित लौटे

> निकाले गए लोगों में कश्मीर के 200 से ज्यादा छात्र शामिल थे, जो ईरान में पढ़ रहे थे और इस क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष में फंस गए थे। उनके वापस आने से उन चिंतित रिश्तेदारों को राहत मिली, जो अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता से भरी रातों की नींद हराम कर रहे थे।

एजेंसी

ईरान में फंसे 300 से ज्यादा भारतीय नागरिकों, खास तौर पर छात्रों को लेकर महान एयर की एक फ़्लाइट रविवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरी, जिससे सैकड़ों परिवारों, खास तौर पर जम्मू-कश्मीर में, के लिए गहन चिंता और भावनात्मक उथल-पुथल का दौर खत्म हो गया। यह घटनाक्रम मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच हुआ है, जब अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। निकाले गए लोगों में कश्मीर के 200 से ज्यादा छात्र शामिल थे, जो ईरान में पढ़ रहे थे और इस क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष में फंस गए थे। उनके वापस आने से उन चिंतित रिश्तेदारों को राहत मिली, जो अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता से भरी रातों की नींद हराम कर रहे थे। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर अपडेट साझा करते हुए क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के बीच अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने निकाले गए लोगों की तस्वीरों के साथ पोस्ट किया, ऑपरेशन सिंधु जारी है। 311 भारतीय नागरिक 22 जून को 1630 बजे मशहद से एक विशेष उड़ान से नई दिल्ली पहुंचे।

ईरान-इजराइल युद्धः अमेरिकी हमलों के बाद भारत-पाक पर भड़कीं महबूबा मुफ्ती

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने पाकिस्तान और भारत की आलोचना की है

एजेंसी

श्रीनगरः संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर रविवार को ईरान पर हवाई हमले किए. इन हमलों के बाद जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने युद्ध में पाकिस्तान और भारत की भूमिका को लेकर आलोचना की. उन्होंने ईरान और इराक युद्ध में निष्क्रिय भूमिका के लिए इस्लामिक देशों के संगठन की भी आलोचना की. मुफ्ती ने कहा, जैसी कि उम्मीद था ओआईसी ने एक बार फिर ईरान पर हमले के मद्देनजर अपनी दिखावटी प्रतिक्रिया तक सीमित कर दिया है.

भड़के

ईरान पर यूएस ने बरसाए बम तो पाकिस्तान पर भड़के ओवैसी

क्या असीम मुनीर ने इसके लिए ट्रंप के साथ लंच किया था?

एजेंसी

नयी दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर अमेरिकी हमले और इजरायल व ईरान के बीच चल रहे संघर्ष पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन है। ऐसा करके, मुझे यकीन है कि ईरान आने वाले पांच सालों में एक परमाणु शक्ति संपन्न देश बन जाएगा। हमले से पहले, ईरान ने अपना भंडार स्थानांतरित कर लिया होगा। यह कोई निवारक नहीं होगा। कई अरब देश सोचेंगे कि उन्हें परमाणु क्षमता की आवश्यकता है। ओवैसी ने कहा कि हमें यह भी याद रखना चाहिए कि खाड़ी और मध्य पूर्व में 16 मिलियन से ज्यादा भारतीय रहते हैं और अगर उस क्षेत्र में युद्ध छिड़ जाता है, जिसकी दुर्भाग्य से बहुत संभावना है, तो इसका वहां रहने वाले भारतीयों पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। भारतीय कंपनियों ने इन सभी अरब देशों या खाड़ी देशों में जो निवेश किया है, और विदेशी निवेश का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। और अंत में, ईरान के पास परमाणु हथियार होने के बारे में यह हौवा खड़ा किया गया है, या यह और वह, यही चीज इराक में इस्तेमाल की गई थी, सामूहिक विनाश के हथियार। कुछ नहीं, कुछ भी नहीं निकला। ओवैसी ने कहा कि हमें पाकिस्तानियों से पूछना चाहिए कि क्या वे चाहते हैं कि ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिले। अमेरिका के इस हमले से नेतन्याहू को मदद मिली है, जो फिलिस्तीनियों का कत्लेआम करने वाला है... गाजा में नरसंहार हो रहा है और अमेरिका को इसकी कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि क्या पाकिस्तान के जनरल (सेना प्रमुख असीम मुनीर) ने इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ लंच किया था? आज उन सबका पदार्फाश हो गया है..।

इस बीच असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान के पाला बदलने पर कटाक्ष किया है। ओवैसी ने कहा कि हमें पाकिस्तानियों से पूछना चाहिए कि क्या वे चाहते हैं कि ट्रंप को शांति का नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए। क्या उनके जनरल (पाकिस्तानी फील्ड मार्शल असीम मुनीर) ने इसके लिए ही व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ लंच किया था। उन्होंने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने का हौवा खड़ा किया गया है। उन्होंने कहा कि ईराक में भी यही चीज इस्तेमाल की गई, लेकिन कुछ नहीं निकला। लीबिया में भी यही चीज इस्तेमाल की गई, लेकिन कुछ नहीं मिला।

> ओवैसी ने कहा कि हमें यह भी याद रखना चाहिए कि खाड़ी और मध्य पूर्व में 16 मिलियन से ज्यादा भारतीय रहते हैं और अगर उस क्षेत्र में युद्ध छिड़ जाता है, जिसकी दुर्भाग्य से बहुत संभावना है, तो इसका वहां रहने वाले भारतीयों पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं : रमेश

> कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि फरीदाबाद ने सिर्फ 26.7 प्रतिशत, नोएडा ने 10 प्रतिशत से भी कम, और यहां तक कि प्रधानमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी भी सिर्फ 48.85 प्रतिशत धन का उपयोग कर पाया, जो कि राष्ट्रीय औसत से काफी कम है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं और विभिन्न शहरों में इसके तहत आवंटित धन का पूरा उपयोग भी नहीं किया गया। पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम कई स्तरों पर नीतिगत खामियों से ग्रसित है। इसकी सबसे बड़ी कमी यह रही है कि इस कार्यक्रम का फोकस पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे कणों) के बजाय पीएम10 (10 माइक्रोन से छोटे कणों) को मापने और निगरानी तक सीमित कर दिया गया, जबकि हर साल हजारों लोगों की मौत का मुख्य कारण पीएम 2.5 होता है।.. उन्होंने कहा कि अब यह भी सामने आ रहा है

कि कार्यक्रम का दायरा सीमित किए जाने के बावजूद धन का उपयोग बेहद निराशाजनक रहा है। रमेश के अनुसार, इस योजना के तहत धन पाने वाले 130 शहरों ने औसतन केवल 70 से 78.5 प्रतिशत तक ही धन का उपयोग किया है।

सम्पादकीय

गिरोहबंद कानून या सत्ता का हथियार? यूपी में इंसाफ बनाम दमन की बहस

अदालत ने उत्तर प्रदेश में इस संबंध में दर्ज एक प्राथमिकी को खारिज करते हुए यूपी गैंगस्टर्स एक्ट जैसे कठोर कानून के नियमित इस्तेमाल को लेकर चेताया है। उत्तर प्रदेश में गिरोहबंद कानून के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठने लगी है। ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि इस कानून का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों का दमन करने, किसी का उत्पीड़न करने या बदनाम करने के लिए भी किया जाता है। इस संबंध में लोग अदालतों के दरवाजे खटखटाने लगे हैं। बिना किसी उचित प्रक्रिया और पर्याप्त सबूत के, लोगों को जिस तरह गिरफ्तार किया जाता रहा है, उस पर अदालतों ने कई बार चिंता जताई हैदरअसल, इस कानून के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल कई बार पुलिस विवेकपूर्ण तरीके से नहीं करती है। हालांकि, इस तरह के आचरण पर अंकुश के लिए दिशा-निर्देश लागू किए जा चुके हैं। मगर चिंता की बात है कि यह मनमानी थमी नहीं। लिहाजा, शीर्ष न्यायालय को एक बार फिर याद दिलाना पड़ा कि इस कानून को विवेकपूर्ण तरीके से लागू किया जाना चाहिए। अदालत ने उत्तर प्रदेश में इस संबंध में दर्ज एक प्राथमिकी को खारिज करते हुए ह्य यूपी गैंगस्टर्स एक्ट जैसे कठोर कानून के नियमित इस्तेमाल को लेकर चेताया है। साथ ही यह भी कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी तब और महत्त्वपूर्ण हो जाती है, जब इस तरह के कड़े प्रावधान वाले असाधारण कानून को अमल में लाया जाता है। यह चिंता की बात है कि राज्य को दी गई इस शक्ति का इस्तेमाल संगठित गिरोहों के अलावा साधारण अपराध से जुड़े मामलों या राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को परेशान करने के लिए भी होने लगा है। इसीलिए शीर्ष न्यायालय ने फिर स्पष्ट कर दिया है कि इस कानून को धमकी के साधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता, खासकर उस समय जब राजनीतिक मंशा काम कर रही हो। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्ष पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्ती के बाद इस कानून के दुरुपयोग के लिए राज्य की ओर से नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। सवाल है कि अगर किसी के खिलाफ संगठित अपराध से जुड़े होने का सबूत नहीं है, तो उसे गिरोहबाज कैसे कहा जा सकता है? ऐसे में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना क्या अन्याय नहीं? शीर्ष अदालत की चेतावनी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

आज का विचार

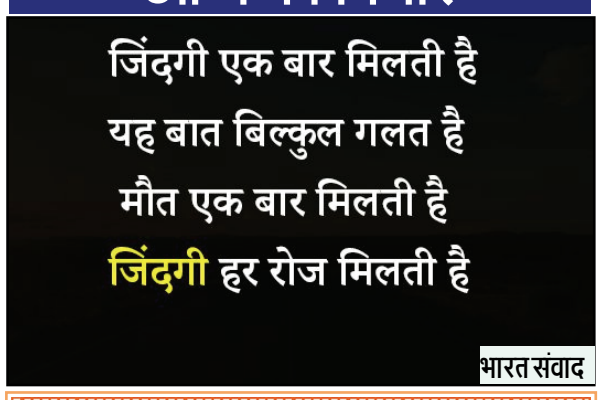

जब भाषा बन जाए आत्मसम्मान का सवाल, गृहमंत्री का संकेत और हमारी जिम्मेदारी

कुछ लोगों को सदा से लगता रहा है कि इस तेजी से बदलते दौर में, जब दुनिया विश्वग्राम बन चुकी है, अंग्रेजी के बिना तरक्की संभव नहीं है आजादी के बाद लगभग सर्वस्वीकृत था कि हिंदी राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित हो सकेगी। पर ऐसा होना तो दूर, कई क्षेत्रीय भाषाओं के साथ इसका तालमेल अब तक ठीक से नहीं बन पाया है। अक्सर कुछ राज्यों से हिंदी को लेकर विरोध के स्वर उभरते देखे जाते हैं।

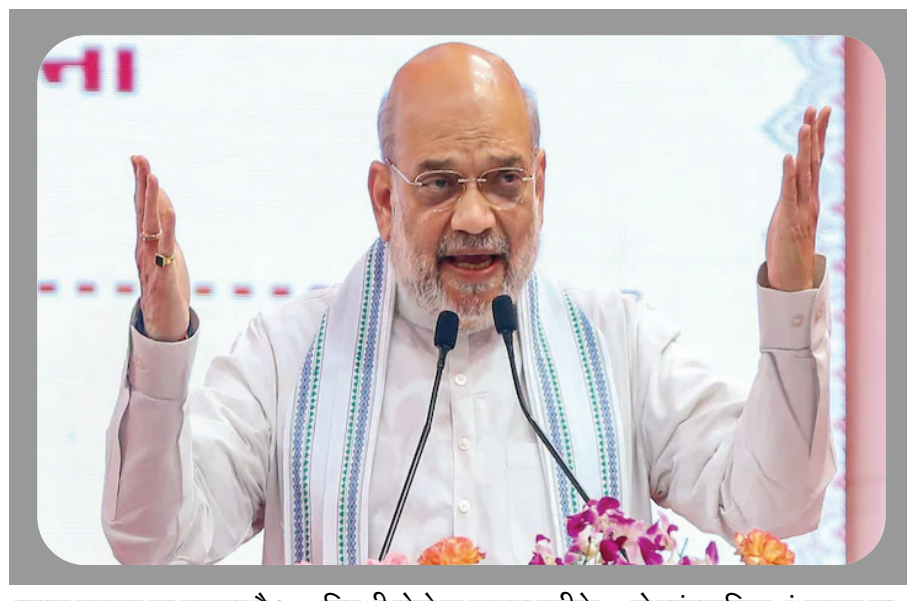

पा हर सभ्य और संवेदनशील देश तथा समाज अपनी भाषा और संस्कृति को लेकर सतर्क रहता है। बिना अपनी भाषा का संरक्षण किए, अपनी संस्कृति की सुरक्षा नहीं की जा सकती। इस अर्थ में केंद्रीय गृहमंत्री का भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को लेकर दिया गया बयान महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने दावे के साथ कहा कि आने वाला समय भारतीय भाषाओं का होगा और अंग्रेजी बोलने वाले शर्म करेंगे। उनके बयान से इस उम्मीद को भी बल मिला है कि राष्ट्रभाषा का मसला सुलझ सकता है। अभी हकीकत यही है कि सेतु भाषा के रूप में स्वीकार की गई अंग्रेजी का वर्चस्व अधिक है। सरकारी कामकाज, न्यायालयों, शिक्षा, व्यापार आदि में हालांकि भारतीय भाषाओं का चलन पहले की तुलना में बढ़ा है, पर इतना नहीं कि अंग्रेजी विस्थापित हो सके। ऐसे में गृहमंत्री का बयान समझा जा सकता है। आजादी के बाद लगभग सर्वस्वीकृत था कि हिंदी राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित हो सकेगी। पर ऐसा होना तो दूर, कई क्षेत्रीय भाषाओं के साथ इसका तालमेल अब तक ठीक से नहीं बन पाया है। अक्सर कुछ राज्यों से हिंदी को लेकर विरोध के स्वर उभरते देखे जाते हैं। तमिलनाडु और महाराष्ट्र का मामला ताजा है, जहां शिक्षा में त्रिभाषा सूत्र लागू करने के लिए संघर्ष देखा गया। हालांकि महाराष्ट्र ने अब हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में मान्यता दे दी है। महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य है या नहीं? सरकार ने चला नया दांव, विपक्षी बोले झ गुपचुप तरीके से लागू कर रही सरकार आज जब ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में काफी तरक्की हो चुकी है, खासकर शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व बढ़ता ही दिखाई देता है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से सवाल उठते रहते हैं कि इस तरह आखिर भारतीय भाषाओं में ज्ञान के प्रसार का रास्ता प्रशस्त कैसे हो सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार पर बल दिया गया है। मगर यह काम अपनी भाषा में ही संभव हो सकता है। अंग्रेजी में पहले ही बहुत सारी ज्ञान संपदा की गलत व्याख्याओं से सांस्कृतिक धुंधलका छा गया है। वह दिन दूर नहीं जब अंग्रेजी बोलने वालों को आएगी शर्म, अमित शाह ने भारतीय भाषाओं को लेकर कही बड़ी बात गृहमंत्री का वक्तव्य इस संदर्भ में व्यापक अर्थवत्ता समेटे हुए है। यह सही है कि कई बार बदलते समय के मुताबिक भाषाओं को अपनी उपयोगिता सिद्ध करने में कठिनाई आती है, मगर भाषाओं का अस्तित्व केवल व्यापारिक-वाणिज्यिक जरूरतों से जुड़ा नहीं होता। गृहमंत्री ने इस संदर्भ में साहित्य का महत्त्व रेखांकित किया कि साहित्य हमारे समाज की आत्मा है। यह सदियों से हमारी संस्कृति, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा करता आया है। कुछ लोगों को सदा से लगता रहा है कि इस तेजी से बदलते दौर में, जब दुनिया विश्वग्राम बन चुकी है, अंग्रेजी के बिना तरक्की संभव नहीं है। मगर इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि भारतीय ज्ञान परंपरा को अवरुद्ध या कहीं-कहीं उसकी धारा को पूरी तरह खत्म कर देने में अंग्रेजी का बड़ा हाथ रहा है। जिसे भारतीय आत्मा कहा जाता है, उसकी रक्षा भारतीय भाषा के जरिए ही संभव है। हालांकि गृहमंत्री ने भी स्वीकार किया कि विदेशी पहचानों से मुक्ति पाने में वक्त लगेगा और भारतीय भाषाओं का वास्तविक स्वरूप विकसित होने में कुछ कठिनाई है, पर यह संभव होगा। भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन का जिम्मा चूंकि गृह मंत्रालय पर है, इसलिए यह माना जाना चाहिए कि गृहमंत्री जब अंग्रेजी को विस्थापित कर भारतीय भाषाओं का वर्चस्व स्थापित करने का दावा कर रहे हैं, तो निस्संदेह उनके मन में इसे लेकर कोई ठोस खाका है।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा. स्वास्थ्य ठीक रहेगा. आज किसी लंबी यात्रा पर जा सकते हैं. वाहन का उपयोग संभलकर करें. दोस्तों से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा. बिजनेस में फायदा होगा. परिवार के साथ संबंध मिले-जुले रहेंगे.

वृषभ राशि: आज का दिन भागदौड़ से भरा रहेगा. मन अशांत रह सकती है. सेहत खराब हो सकती है. बिजनेस में संभलकर फैसला लें. कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है. परिवार में पत्नी से मतभेद हो सकते हैं.

मिथुन राशि: आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा. कोई रुका हुआ पुराना काम आज पूरा होगा. मन में प्रसन्नता रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव रहेगा. बिजनेस में भी लाभ के योग हैं. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं.

कर्क राशि: आज का दिन अच्छा रहेगा. हर काम में आज सफलता हाथ लगेगी. स्वास्थ्य ठीक रहेगा.बिजनेस में कोई बड़ा कार्य साझेदारी में शुरू कर सकते हैं. आय के नए स्रोत बनेंगे. परिवार में कोई नया मेहमान आ सकता है.

सिंह राशि: आज का दिन खुशखबरी लेकर आएगा. जो लोग अच्छी नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें सफलता मिलेगी. स्वास्थ्य ठीक रहेगा. परिवार में मांगलिक कार्यों के योग बनेंगे. आपसी मतभेद दूर होंगे.बिजनेस में कोई बड़ी डील समझौता आपके पक्ष में हो सकता है.

कन्या राशि : आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. सेहत बिगड़ सकती है.कोर्ट केस में हार का मुंह देखना पड़ सकता है. आज विरोधियों से संभलकर रहें. बिजनेस में बड़ा जोखिम ना उठाएं.नुकसान की आशंका है. परिवार में वाद-विवाद की स्थिति बनने पर शांत रहें.

तुला राशि: आज किसी खास काम के लिए बाहर जाना पड़ सकता है. काम में सफलता मिलेगी.परिवार में किसी अपने परिचित को खोने का समाचार मिल सकता है.आप स्वयं वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. परिवार में अपनों का सहयोग मिलेगा पत्नी से संबंध अच्छे रहेंगे.

वृश्चिक राशि: आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा. सोचे हुए काम पूरे होंगे. साथी के साथ बाहर घूमने जाएंगे. मन प्रसन्न रहेगा. ऑफिस में कोई नया दायित्व प्राप्त होगा.बॉस की तारीफ मिलेगी. व्यापार-व्यवसाय में लाभ की स्थिति बनेगी.

धनु राशि: आज का दिन अच्छा रहने वाला है. नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज कर सकते हैं. सफलता मिलेगी.भविष्य में बड़ा प्रॉफिट होगा. आज किसी पुराने परिचित से मुलाकात होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा. रुका हुआ धन प्राप्त होगा. स्वास्थ्य ठीक रहेगा.

मकर राशि : आज भागदौड़ रहेगी. किसी वाद विवाद में फंस सकते हैं. वाणी पर कंट्रोल रखें. विरोधियों के षड्यंत्र का शिकार बनने से बचें. स्वास्थ्य में गिरावट महसूस होगी. बिजनेस में नुकसान की आशंका है. परिवार में पैतृक संपत्ति को लेकर झगड़ा हो सकता है.

कुंभ राशि: आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा. कोर्ट केस में हार का सामना करना पड़ सकता है.व्यापार में बड़ा नुकसान हो सकता है. विरोधी वर्ग षड्यंत्र रह सकते हैं. परिवार में पत्नी से मतभेद बढ़ सकते हैं. वाणी पर संयम रखें.

मीन राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा. आप किसी बड़ी समस्या से मुक्त हो सकते हैं.कोर्ट कचहरी के मामले में विजय प्राप्त होगी. व्यापार व्यवसाय में लाभ मिलेगा.रिश्तेदार मित्रों का आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा. रुका हुआ धन मिल सकता है.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

अतुल्य भारत, अजेय भारतः मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरुप दिया

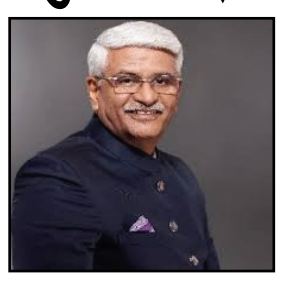

श्री गजेंद्र सिंह शेखावत,

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री, भारत सरकार

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ.देखा ही नहीं गया है - बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ.परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के जरिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के जरिए तैयार किया गया था।

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में यहां 16 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज्यादा साधकों को आकर्षित किया।

और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया –जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ – न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए।

यह पर्यटन नहीं था–यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)-संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र स्व को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र - ₹भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें₹ - ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया।

मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.90 करोड़ रुपए की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,106.44 करोड़ रुपए के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ीं गईं।

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रुपए की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रुपए की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी।

इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी - जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया।

पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं - जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं।

भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही - यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्टस्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था। इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रुपए (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9% की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं झ इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोजगार की आधारशिला के रूप में उभरा।

पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ। एक विरासत अपनाएँ योजना के तहत प्रमुख स्थलों का कॉर्पोरेट प्रबंधन शुरू हुआ, जबकि उड़ान योजना ने शिरडी, जीरो और मिनिकॉय जैसे दूर-दराज के स्थानों को हवाई मार्ग से जोड़ा। राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन ने टिकट बुकिंग, डेटा और यात्रा कार्यक्रमों का एक एकीकृत प्लेटफॉर्म में एकीकरण करना शुरू किया।

पूर्वोत्तर- जो कभी उपेक्षित था- मुकुट के एक रत्न के रूप में उभरा। एक्ट ईस्ट नीति और अवसंरचना पर विशेष ध्यान की वजह से अरुणाचल, सिक्किम और मेघालय जैसे राज्यों में पर्यटकों का आगमन 2014 और 2022 के बीच दोगुना हो गया। जीवंत गांव कार्यक्रम ने किबिथु और माना जैसे दूरदराज के इलाकों को ऐसे गंतव्यों में बदल दिया, जहाँ देशभक्ति का मिलन प्रकृति और विरासत से होता है। पर्यटन का विचार भी आकांक्षापूर्ण हो गया। भारत में विवाह, राजस्थान और गोवा जैसे विवाह केंद्रों के लिए प्रोत्साहन, अभियान और अवसंरचना के समर्थन में तब्दील हो गया।

ईरान-इजरायल युद्ध, : धमाकों से दहला तेलअबिब और तेहरान

संजीव ठाकुर

अमेरिका और इजरायल की इस युती के मानसिक असंतुलनों की सनक ने इजरायल ईरान के युद्ध को जन्म दिया है। इस युद्ध का कोई तात्कालिक कारण नहीं है इस युद्ध के नेपथ्य में इसराइल और ईरान की दशकों की तैयारी रही है। इसराइल और अमेरिका ने ईरान को आतंकवाद का एक बड़ा केंद्र निरूपित किया है और इजरायल ने आरोप लगाया है कि ईरान पिछले दो दशकों से इसराइल के विरुद्ध छद्म युद्ध करता आ रहा है उसने पर्दे के पीछे रहकर हिज्बुल मुजाहिदीन, हमास और हुती आतंकवादियों को लगातार आर्थिक, सामरिक और रणनीतिक मदद करता आ रहा है और हिजबुल हमास और हूती आतंकवादी संगठनों नें लगातार इसराइल पर हमले करके हजारों इसराइलियों की हत्या भी की हैं। इसके साथ ही इसराइल के कई ठिकानों को नष्ट किया है। इसराइल और अमेरिका लगातार ईरान को परमाणु बम ना निर्मित करने और परमाणु संधि करने के लिए समय ब समय चेतावनी देते आ रहे हैं। इन सब में उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका राष्ट्रपति बनने के बाद इसराइल ज्यादा आक्रामक होकर गाजापट्टी तथा फिलिस्तीन पर आक्रामक हमले कर उसे समूल नष्ट करने की प्रक्रिया में जुट गया है। इसराइल और ईरान की लड़ाई की पृष्ठभूमि में ईरान द्वारा अपने पास परमाणु ईंधन संग्रहित करने उसे परमाणु बम बनाने की प्रक्रिया अपनाने, लगातार मिसाइल निर्माण करने और खतरनाक आतंकवादियों को संरक्षण समर्थन एवं आर्थिक मदद देने की रही है। जिसकी भयानक परिणीति यह रही कि तेरा जून 25 से इजरायल ने ईरान के परमाणु केन्द्रों, लगभग 12 परमाणु वैज्ञानिकों और लगभग 6 ईरान के टॉप सैनिक कमांडरों की हत्या कर दी है। तेहरान में ताबड़तोड़ हमले कर तेहरान को आधा बर्बाद कर दिया है। इजरायल द्वारा उनके समस्त परमाणु वैज्ञानिकों की हमले से हत्या करने के बाद ईरान को अपने परमाणु प्रोग्राम में बहुत बड़ा झटका लगा है। इजरायल ने ईरान के तमाम परमाणु केन्द्रों, न्यूज नेटवर्क अस्पतालों पर हमले किए हैं। अब जवाब में ईरान भी अपने नेता अयातुल्लाह खेमनई के नेतृत्व में लगभग 200 मिसाइल से इसराइल के तेलअबिब शहर में आक्रमण कर तेल तथा गैस के भंडारों अस्पतालों एवं स्टॉक एक्सचेंज की बिल्डिंग को तबाह कर दिया है। इधर ताजा जानकारी के अनुसार इसराइल ने ईरान के हेवी वॉटर रिएक्टर पर हमला कर दिया और इसके परिणाम स्वरूप हेवी वॉटर रिएक्टर तबाह हो गया है यह हेवी वॉटर रिएक्टर न्यूक्लियर प्रोग्राम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसके जवाब में ईरान ने इजरायल के चार शहरों जिसमे तेल अबिब, बिशेबा, रमतगढ़ और होलोंन शहर में लगभग 30 से 35 टारगेटेड मिसाइल से हमला बोल दिया है इजरायल की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 176 लोग घायल हुए हैं जिसमें 6 लोग गंभीर बताई जाते हैं इसराइल के प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया है कि ईरान ने जानबूझकर उसके नागरिक ठिकानों, अस्पतालों और स्टॉक एक्सचेंज पर मिसाइल का निशाना बनाया है इजरायल ईरान युद्ध अब आठवें दिन में प्रवेश कर चुका है। दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति ने कनाडा में सम्मेलन को अचानक छोड़कर अमेरिका वापस लौटने की रणनीति बनाकर इसराइल को युद्ध में समर्थन देने की बात कही है वैसे तो डोनाल्ड ट्रंप अपने राष्ट्रपति पद के दूसरे कार्यकाल में अति अविश्वसनीय रहे हैं। उनकी अविश्वसनीयता का सबसे बड़ा उदाहरण उनके चुनाव में अरबों डॉलर खर्च करने वाले व्यापारी मित्र एलन मस्क को व्यापार में कोई भी लाभ न देकर अपना दुश्मन बना लिया है, दूसरी तरफ भारत के पहलगाम हमले में 27 भारतीयों की निर्मम हत्या करने वाले मास्टरमाइंड तथाकथित फील्ड मार्शल असीम मुनीर को लंच पर आमंत्रित किया है।

5000 रुपए की चोरी के आरोपी युवक ने दी जान

प्रयागराज में पुलिस दबिश के बाद फांसी लगाई, परिजनों ने पुलिस पर लगाया आरोप

भारत संवाद

प्रयागराज, करछना थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मृतक की पहचान कैथी गांव निवासी सूरज कुमार भारतीया (27) के रूप में हुई है। सूरज के चाचा लल्लू राम भारतीया और उनके बेटे ने करछना थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि सूरज ने उनके पांच हजार रुपए चुरा लिए हैं। इसी शिकायत पर शनिवार शाम को करछना पुलिस सूरज के घर पहुंची। वह घर पर नहीं मिला। बाद में जब सूरज को पुलिस की दबिश की जानकारी मिली, तो उसने रात 9 से 10 बजे के बीच फांसी लगा ली। परिजनों का कहना है कि पुलिस के डर से आहत होकर सूरज ने यह कदम उठाया। स्थानीय लोगों ने इतने छोटे मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। करछना थाना प्रभारी अनुप सरोज से इस मामले में संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानसिक अवसाद से पीड़ित युवती ने फांसी लगाई

प्रयागराज में 29 वर्षीय महिला ने घर में की आत्महत्या, 5 साल से चल रहा था इलाज

भारत संवाद

प्रयागराज, करेली थाना क्षेत्र के नयापुरवा मोहल्ले में एक युवती ने आत्महत्या कर ली। 29 वर्षीय कोमल कुशवाहा ने शनिवार रात अपने घर में फांसी लगा ली।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोमल के पिता रामचंद्र कुशवाहा ने बताया कि उनकी बेटी पिछले पांच वर्षों से मानसिक अवसाद से पीड़ित थी। उसका इलाज लगातार चल रहा था। परिवार उसका पूरा ध्यान रख रहा था। घटना की रात कोमल ने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया था। सुबह जब काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आई, तो परिजनों ने उसे आवाज दी। जवाब न मिलने पर दरवाजा तोड़ा गया। कोमल फंदे से लटकी मिली। करेली थाने के प्रभारी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की पूरी सच्चाई सामने आएगी।

प्राथमिक जांच में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार कोमल सरल और शांत स्वभाव की थी। वह ज्यादातर घर में ही रहती थी। किसी से अधिक बातचीत नहीं करती थी। मानसिक तनाव के कारण वह अक्सर चुपचाप बैठी रहती थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों से पूछताछ कर रही है।

घायल शिक्षक की इलाज के दौरान मौत

प्रयागराज में बाइक से जा रहा था, कार ने मारी टक्कर

साइबर एक्सप्रेस

प्रयागराज, एक बेहद दुखद घटना सामने आई है, जहां एक सड़क हादसे में घायल हुए शिक्षक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान सैयद मोहम्मद जकी के रूप में हुई है, जो यादगार इंटर कॉलेज में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। जब सैयद मोहम्मद जकी अपनी बाइक से करेला बाग पावर हाउस के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शिक्षक जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे का एसएसपी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार कार ने लापरवाही से बाइक सवार शिक्षक को टक्कर मारी और मौके से फरार हो गई।

फास्ट ट्रैक

थाना लालगंज पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना लालगंज, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 21.06.2025 को वादी तुलसी दास पुत्र स्व0 मुन्नीलाल निवासी बामी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों (पट्टीदारों) के विरुद्ध वादी के भाई के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने तथा इलाज के दौरान मृत्यु होने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना लालगंज पर मु0अ0सं0-239/2025 धारा 105,352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थानाध्यक्ष लालगंज को अभियुक्त की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना लालगंज पर पंजीकृत मुकदमें में विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में दिनांकः22.06.2025 को उप-निरीक्षक विजय कुमार राय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से नामजद 02 अभियुक्त 1. बिन्नू उर्फ प्रदीप पुत्र बद्री व 2. गंगोली पुत्र बद्री निवासीगण ग्राम बामी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा 422 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 22.06.2025 को उपनिरीक्षक मोती सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्रांतर्गत देवरी मोड़ के पास से एक नफर अभियुक्त लल्ले उर्फ लालबहादुर यादव पुत्र स्व0 विश्वनाथ यादव निवासी महडौरा थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से 422 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-204/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा 15 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

सोमेन बर्मावरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः22.06.2025 को उप-निरीक्षक गणेश पाण्डेय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना को0कटरा क्षेत्र से अभियुक्त लालचन्द पुत्र सहतू निवासी नौगांव थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को 15 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-202/2025 अन्तर्गत धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एनसीसी कैडेटों द्वारा अनुशासित योग प्रदर्शन

योगाभ्यास से 17 उत्तर प्रदेश एनसीसी बटालियन द्वारा भव्य कार्यक्रम ने लोगो के दिलों में बनाई जगह

भारत संवाद

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद पार्क में 17 उत्तर प्रदेश एनसीसी बटालियन, प्रयागराज द्वारा एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 एनसीसी कैडेट्स ए.एन.ओ. (असोसिएट एनसीसी अधिकारी) ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन की गरिमा को बढ़ाते हुए एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, प्रयागराज के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर यू.एस. कंडिल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। योग सत्र का नेतृत्व प्रसिद्ध योग प्रशिक्षिका सुश्री रुचिका गुप्ता द्वारा किया गया, जिन्होंने योग के विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास करवाया। कैडेटों ने पूर्ण अनुशासन, समन्वय और जोश के साथ सत्र में भाग लिया बटालियन के कर्नल एस. के. सिंह ने बताया कि चंद्रशेखर आजाद पार्क, जहां यह आयोजन हुआ, ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। यही वह स्थान है जहां स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद ने 27 फरवरी 1931 को ब्रिटिश बलों से लोहा लेते हुए वीरगति प्राप्त की थी। इस ऐतिहासिक स्थल पर योग दिवस का आयोजन, न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का प्रतीक रहा, बल्कि राष्ट्रभक्ति प्रेरणा का भी केंद्र बिंदु बना। ब्रिगेडियर कंडिल ने अपने संबोधन में योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए कैडेट्स से दैनिक जीवन में योग को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योग, सैन्य प्रशिक्षण की आवश्यकताओं जैसे संतुलन, अनुशासन और मानसिक दृढ़ता को विकसित करने में अत्यंत सहायक है। योग का कार्यक्रम सुनियोजित एवं अनुशासित ढंग से हुआ। एनसीसी बटालियन द्वारा की गई व्यवस्थाएं, कैडेट्स की उपस्थिति और प्रशिक्षकों का समर्पण सराहनीय रहा। आयोजन के सफल संपादन ने 17 यूपी एनसीसी बटालियन एडम ऑफिसर कर्नल अरविन्द सिंह के मार्गदर्शन में हुआ जिसमें सूबेदार मेजर देवेन्द्र कुमार यादव के साथ पूरी बटालियन टीम और एनसीसी ग्रुप प्रयागराज की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली को प्रदर्शित किया।

प्रोजेक्ट मिलन के तहत परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को मिली बड़ी सफलता, काउंसिलिंग के माध्यम से 8 बिछड़े दम्पत्तियों को मिलाया गया

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर के निर्देशन में जनपद में चलायें जा रहे प्रोजेक्ट मिलन में महिला परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को बड़ी सफलता मिली है। आज दिनांक 22.06.2025 को जनपद मीरजापुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के 08 बिछड़े दम्पत्तियों को परिवार परामर्श केन्द्र में हुई काउन्सिलिंग के माध्यम से एक साथ रहने हेतु राजी कर लिया गया। उक्त विवाहित दम्पत्ति विभिन्न कारणों से अलग-अलग रह रहे थे। परिवार परामर्श केन्द्र, मीरजापुर में प्रोजेक्ट मिलन काउंसिलिंग में होने वाली समस्त कार्यवाही के दौरान महिला निरीक्षक शशि तिवारी, महिला

मुख्य आरक्षी- सावित्री देवी, ममता तिवारी, महिला आरक्षी सपना, पिंकी जायसवाल, ओपी-सुनीता सहित सदस्यगण निर्मला राय मौजूद रहीं।

थाना जमालपुर पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जमालपुर पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः22.06.2025 को उप निरीक्षक श्याम लाल मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी लालमन पुत्र परषोत्म निवासी बहुआर थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा उ.प्र.गैंगस्टर एक्ट के अभियोग से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्तगण गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना लालगंज पर पंजीकृत लालगंज क्षेत्र से उक्त अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त रामधनी यादव पुत्र स्व0 जगरनाथ यादव निवासी केसरीपुर थाना रोहनिया जनपद वाराणसी को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण एवं प्रयागराज इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

भारत संवाद

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच प्रयागराज की महिला काव्य गोष्ठी रचना सक्सेना के संयोजन मे वरिष्ठ साहित्यकार प्रेमाराय की अध्यक्षता में शहर समता विचार मंच के कार्यालय कर्नलगंज में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण भी किया गया। इस आयोजन की मुख्य अतिथि डॉ कल्पना वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ प्रदीप चित्रांशी रहे। यह काव्य गोष्ठी साय चार बजे से सात बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही प्रेमा राय मुख्य अतिथि डॉ कल्पना वर्मा एवन विशिष्ट अतिथि डॉ प्रदीप चित्रांशी द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति रचना सक्सेना द्वारा की गयी। आयोजन के प्रथम सत्र में महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण हुआ। संपादकीय वाचन उमेश श्रीवास्तव ने किया। दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी हुई जिसका कुशल संचालन शहर समता अखबार के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में संगीता श्रीवास्तव, डॉ कल्पना वर्मा, शिव प्रताप श्रीवास्तव, केशव प्रकाश सक्सेना, मिली संजय श्रीवास्तव, रचना सक्सेना, प्रेमाराय, शंभुनाथ

श्रीवास्तव, पं राकेश मालवीय 'मुस्कान', राम कुमार कुशवाहा, डॉ प्रदीप चित्रांशी, शाहीन खुशबू, शरत चन्द्र श्रीवास्तव, अभिषेक केसरवानी ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें जिसमें पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन शंभुनाथ श्रीवास्तव ने किया।

पहल वेलफेयर सोसायटी द्वारा योग शिविर का आयोजन

भारत संवाद, लखनऊ

ग्यारहवे अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एक पहल मुस्कुराहट की, पहल वेलफेयर सोसाइटी अध्यक्ष डॉ॰ अंजू वार्ष्णेय एवं बचपन प्ले स्कूल, विराट खंड, 4 की डायरेक्टर निधि पाल एवं राजकीय होम्योपैथी चिकित्सालय की योगाचार्या अंजली महतो गोमती नगर द्वारा योग शिविर का आयोजन विराट खंड 4/7 गोमती नगर ,लखनऊ में किया गया योग साधको , बच्चों व लोगों ने अधिक से अधिक संख्या में योग भागीदारी कर योग शिविर को सफल आयोजन किया गया। योगाचार्य अंजली महतो द्वारा योग आसन में वज्रासन ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, अर्धचक्रासन, वज्रासन, शशकासन, मकरासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन, सेतुबंधासन, शवासन और प्राणायाम अनुलोम विलोम भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया

उत्तर मध्य रेल प्रयागराज मंडल की लगातार चौथी शानदार जीत

भारत संवाद

प्रयागराज जिला हॉकी एसोसिएशन के तत्वाधान में प्रथम हफीजुल्लाह मेमोरियल हॉकी लीग जो 15.06.25 से 25.06.25 तक मजीदया इस्लामिया इंटर कालेज प्रयागराज मे चल रही है, शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर मध्य रेल प्रयागराज मण्डल की हॉकी टीम अपना चौथा मैच जीत कर लीग तालिका सबसे ऊपर जगह बना लि है। आज दिनांक 22.06.25 को लीग का चौथा मैच MIC और उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज डिविजन के माध्य खेला गया, जिसमे उत्तर मध्य रेल की टीम शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए मैच 2-1 से जीत लिया। उत्तर मध्य रेलवे की ओर से शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए राजेश कुमार ने दो गोल किए वही MIC के खिलाड़ियों ने मात्र 1 गोल पेनल्टी कारनर पे किया। मैच बहुत रोमांचक रहा उत्तर मध्य रेलवे टीम की इस जीत से फाइनल मे पहुंचने रास्ता बन गया है। उत्तर मध्य रेल के कोच पंकज गोस्वामी की रणनीति से रेलवे का प्रदर्शन सराहनी रहा, वह लगातार अपनी टीम को बाहर से खिलाड़ियों को दिशा निर्देश देते रहे। उत्तर मध्य रेल का मैच कल 3.30 बजे मदन मोहन मालवीय स्टेडियम के मध्य इस्लामिया मस्जिद या इंटर कॉलेज के मैदान पर खेला जाएगा।

एंटीबायोटिक और अदृश्य क्षति: क्या हम अपने सूक्ष्मजीवी सहयोगियों को मार रहे हैं?

डॉ. अजय कुमार सोनकर

दशकों से एंटीबायोटिक को चिकित्सा विज्ञान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक माना जाता रहा है। इन दवाओं ने करोड़ों लोगों की जान बचाई है, विशेषकर तब जब शरीर बैक्टीरियल संक्रमण से लड़ने में असमर्थ होता है। लेकिन हालिया वैज्ञानिक शोध यह संकेत दे रहे हैं कि अब हमें एंटीबायोटिक के उपयोग को नए दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है – क्योंकि यह दवाएं अक्सर केवल रोग नहीं, बल्कि हमारे शरीर की बुनियादी संरचना को भी नुकसान पहुँचा रही हैं। कुछ समय पहले तक यह धारणा थी कि हमारे शरीर में मौजूद बैक्टीरिया की संख्या हमारी कोशिकाओं से दस गुना अधिक है। लेकिन अब नए अध्ययनों ने इस आंकड़े को संशोधित किया है। आज यह माना जाता है कि हमारे शरीर में लगभग 30 से 40 ट्रिलियन बैक्टीरिया होते हैं – और यह संख्या हमारे शरीर की कोशिकाओं के बराबर है। यह तथ्य हमारे शरीर कोसमझने के ढंग को पूरी तरह बदल देता है। हम केवल मानव नहीं हैं, हम एक जीवित पारिस्थितिकी तंत्र हैं। हमारे शरीर में रहने वाले सूक्ष्मजीव घुसपैठिए नहीं हैं, बल्कि वे हमारे स्वास्थ्य के रक्षक और भागीदार हैं। ये जीवाणु भोजन पचाने, विटामिन बनाने, प्रतिरक्षा प्रणाली को संतुलित करने और हानिकारक जीवों से रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सिर्फ सहयात्री नहीं हैं – ये हमारे शरीर के अंदर एक अदृश्य कारखाना चला रहे हैं। लेकिन जब हम एंटीबायोटिक का अनियंत्रित और अंधाधुंध उपयोग करते हैं, तो ये लाभकारी बैक्टीरिया भी मारे जाते हैं। यह कुछ ऐसा है जैसे मच्छर को भगाने के लिए पूरे घर को जला देना – समस्या जाती है, पर नुकसान कहीं अधिक हो जाता है। इसका परिणाम होता है डायसबायोसिस – यानी शरीर में सूक्ष्मजीवों का असंतुलन। इस असंतुलन में अच्छे बैक्टीरिया समाप्त हो जाते हैं और हानिकारक बैक्टीरिया को पनपने का अवसर मिलता है। इससे Clostridioides difficile जैसे जीवाणु पनप सकते हैं, जो गंभीर संक्रमण का कारण बनते हैं। इतना ही नहीं, सूक्ष्मजीवों के विनाश से जुड़ी अनेक बीमारियाँ सामने आ रही हैं – जैसे प्रतिरक्षा विकार, पाचन समस्याएं, मोटापा और यहां तक कि मानसिक स्वास्थ्य में भी गिरावट। एक वैज्ञानिक के रूप में, जो जल स्वास्थ्य और सूक्ष्मजीवी पारिस्थितिकी में शोध कर रहा है, मैं इस समस्या को एक मौन संकट के रूप में देखता हूं। एंटीबायोटिक का प्रयोग भय के आधार पर नहीं, विवेक और परीक्षण के आधार पर होना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम ब्लाइंड एंटीबायोटिक से आगे बढ़ें और ऐसे विकल्प अपनाएं जो हमारे अच्छे बैक्टीरिया को नष्ट न करें। वास्तव में, प्रकृति ने हमें इसका समाधान पहले ही दे दिया है – बैक्टीरियोफेज। ये सूक्ष्मजीवी वायरस केवलविशिष्ट हानिकारक बैक्टीरिया को ही नष्ट करते हैं और बाकी जैविक तंत्र को सुरक्षित रखते हैं। गंगा जैसे पवित्र जल में पाएजाने वाले कुछ बैक्टीरियोफेज, जिन पर मैंने अध्ययन किया है, एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी बैक्टीरिया के खिलाफ भी प्रभावीसाबित हो रहे हैं। अंततः, समस्या एंटीबायोटिक नहीं है – समस्या है अनजाने में किया गया दुरुपयोग। हमें अपनी सूक्ष्मजीवी मित्रों के साथ संतुलन और समझ का रिश्ता बनाना होगा। आज का विज्ञान इस ओर स्पष्ट संकेत दे रहा है कि जब तक हम अपने शरीर के सूक्ष्मजीवी तंत्र को नहीं समझेंगे और संरक्षित नहीं करेंगे, तब तक दीर्घकालिक स्वास्थ्य एक अधूरी कल्पना ही रहेगा।

विस्तृत चर्चा — मानानीय मुख्यमंत्री जी की विश्व के 25 से अधिक देशों से आये उच्चायुक्तों व राजदूतों से योग, वेलनेस, आयुर्वेद और हैल्थ व विस्तृत चर्चा

परमार्थ निकेतन से आज प्रातःकालीन बेला में माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड श्री पुष्कर सिंह धामी जी, श्रीमती गीता धामी जी और पूरे धामी परिवार ने विदा ली

भारत संवाद

- उत्तराखंड का प्राकृतिक सौन्दर्य, दिव्यता, भव्यता के दर्शन करने हेतु धामी जी ने राजदूतों व उच्चायुक्तों को किया आंमत्रित
- स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी ने हिमालय की हरित भेंट रूद्राक्ष का पौधा भेंट कर धामी परिवार को दी विदाई

ऋषिकेश,। आज प्रातःकाल परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश से उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गीता धामी जी तथा पूरे धामी परिवार ने विदाई ली। यह अवसर परमार्थ परिवार के लिए अत्यंत गौरवशाली रहा, जब प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी का आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संगमस्थली परमार्थ निकेतन में सपरिवार स्नेहपूर्वक आगमन हुआ और रात्रिविश्राम के साथ आज विदा ली।

माननीय मुख्यमंत्री जी का यह आगमन इसलिये भी विशेष रहा क्योंकि वे उन 25 से अधिक देशों से पधारे उच्चायुक्तों, राजदूतों और प्रतिनिधियों से रूबरू हुए, जो भारत की प्राचीन योग, आयुर्वेद और वेलनेस परंपराओं को जानने और अनुभव करने के उद्देश्य से परमार्थ निकेतन आये हैं। मुख्यमंत्री जी ने सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों से चर्चा की और उत्तराखण्ड के प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्मिक विरासत व स्वास्थ्य पर्यटन की अपार संभावनाओं पर विस्तृत से जानकारी दी। उन्होंने सभी अतिथियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड केवल तीर्थ नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य, अध्यात्म और प्रकृति का संगम है और यहां का

प्रत्येक गांव किसी तीर्थ से कम नहीं है यहां पर भारतीय संस्कृति की सभी जीवंत विरासत विद्यमान हैं।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी व साध्वी भगवती सरस्वती जी ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी व उनके परिवार को हिमालय की हरित परंपरा की अनुपम भेंट रुद्राक्ष का पौधा भेंट कर पर्यावरण व संस्कृति दोनों के संरक्षण का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर जिस दृष्टिकोण को साझा किया, वह अत्यंत दूरदर्शी एवं प्रेरणादायक था। उन्होंने कहा कि गढ़वाल और कुमाऊं अंचल में हेल्थ व वेलनेस सेंटर्स स्थापित कर उत्तराखण्ड को योग और आयुर्वेद के वैश्विक मानचित्र पर प्रमुखता से स्थापित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री जी के इस चिंतन से परमार्थ परिवार अत्यंत अभिभूत है।

परमार्थ निकेतन ने इस दिशा में सहभागिता का संकल्प लिया है और उत्तरकाशी में एक हेल्थ व वेलनेस सेंटर स्थापित करने पर भी विचार विमर्श हुआ। साथ ही परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश भी एक वेलनेस सेंटर के माध्यम से योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और जीवनशैली पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने की दिशा में कार्य करने हेतु संकल्पबद्ध है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने उत्तराखण्ड में जो लगभग 100 नर्सरियाँ हैं उनके कुशल संचालन हेतु भी माननीय मुख्यमंत्री जी से चर्चा की। स्वामी जी ने कहा कि यह पहल केवल पर्यावरण संरक्षण की ही नहीं

देशी शराब सहित शराब तस्कर दबोचा

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने 38 फ्रूटी पाउच देशी शराब सहित एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया गया। शराब तस्कर के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में चालान कर जेल भेज दिया गया।

एसएसपी के निर्देशन में शराब की तस्करी की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत सघन चैकिंग अभियान चलाकर थाना कोतवाली नगर पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर सुनील नागर के नेतृत्व में आज मछली बाजार, सरकारी नल के पास से कासिब उर्फ साकिब पुत्र आसिफ निवासी मौहल्ला टोपिया सराय थाना मण्डी, सहारनपुर को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने 80 फ्रूटी पाउच अवैध देशी शराब के बरामद किये। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुअस 105/25 धारा 63 आबकारी अधिनिय में दर्ज कर लिया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुनील नागर, एसआई नरेश सिंह, मुख्य आरक्षी शान मौहम्मद शामिल रहे।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना नानौता पुलिस ने पुलिस मुठभेड़ के पश्चात चोरी के मुकदमे में वांछित एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक तमंचा, जिंदा कारतूस, कीमती आभूषण व चोरी की बिना नम्बर प्लेट की मोटर साइकिल भी बरामद की है।

गत 13 जून को वादी जरजीस पुत्र इमरान निवासी सिजूड थाना नानौता की लिखित तहरीर पर बाबू उर्फ समरयाब पुत्र सलीम निवासी सिजूड थाना नानौता व दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा घर से 7 तोले सोने के जेवरात चोरी करने के सम्बन्ध में थाना नानौता पर मुअस 130/25 दर्ज कराया था जिसमें बाबू उर्फ समरयाब को 15 जून को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था तथा अन्य की तलाश जारी थी।

पुलिस ने 21/22 जून की रात्रि में गंगोह रोड पर ओलरा चैराहे पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चैकिंग कर रहे थे तभी गंगोह रोड की तरफ से एक मोटर साइकिल पर सवार संदिग्ध व्यक्ति

दिखायी दिया। पुलिस ने वाहन चालक को रोकने का इशारा किया लेकिन वह नहीं रूका और मोटर साइकिल को मोडकर माधोपुर रजबाहे के कच्चे रास्ते की तरफ भागने लगा। पुलिस ने जब बदमाश का पीछा किया तो बदमाश ने पुलिस पर फायर झोंक दिया। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ फायर किये जिसमें बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने काम्बिंग कर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश की पहचान योगेश उर्फ पकौडी पुत्र पदम निवासी ग्राम अनंतमऊ थाना नानौता के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ ने गिरफ्तार चोर ने बताया कि उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ग्राम सिजूड से 10-15 दिन पहले चोरी की थी। वह लोग सामान बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने बताया कि बदमाश पर आधार दर्जन से अधिक मुकदमे पंजीकृत है तथा यह अपराधिक किस्म का शातिर चोर है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एसएचओ धर्मेन्द्र कुमार, एसआई धीरज सिंह, रोहताश सिंह, जयवीर सिंह, मुख्य आरक्षी अनुज कुमार, अनुज शर्मा, कपिल राणा, आरक्षी सचिन शामिल रहे।

शातिर नशा तस्कर गिरफ्तार अवैध स्मैक बरामद

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने एक शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 127.54 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है। जानकारी के अनुसार एसएसपी के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस टीम ने आज बालपुर शाहपुर न्यू हाईवे के पास बने निमार्णाधीन मकान चैकी क्षेत्र चिलकाना रोड से अक्षय सैनी उर्फ नन्द पुत्र सुरेश चन्द सैनी निवासी ग्राम हलालपुर थाना कोतवाली देहात सहारनपुर को 127.54 ग्राम अवैध चरस सहित गिरफ्तार कर लिया।

फास्ट ट्रैक

युवक पर किया जानलेवा हमला, हालत गंभीर

सहारनपुर, के गांव बुड्ढाखेड़ा में एक दलित युवक पर चार युवकों ने हमला कर दिया। घटना 17 जून की है। पीड़ित कार्तिक अपने दोस्त रजत के साथ गांव चमारीखेड़ा में दुकान से चीनी लेने जा रहा था दून पब्लिक स्कूल के पास आर्यन पाल, आशू पाल, वंश यादव और विक्रांत सैनी ने कार्तिक को रोका। इन चारों ने लोहे की पाइप और सरियों से उस पर हमला कर दिया। हमले में कार्तिक के पेट, चेहरे और पैरों पर चोटें आईं। वह बेहोश हो गया। उसका साथी रजत जान बचाकर भाग निकला होश में आने के बाद कार्तिक डॉक्टर के पास पहुंचा। परिजनों ने पुलिस चैकी चमारीखेड़ा को सूचना दी। आरोप है कि पुलिस ने न तो रिपोर्ट दर्ज की और न ही मेडिकल कराया। निजी अस्पताल में कराए गए एक्स-रे में कार्तिक के जबड़े में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई है।पुलिस मामले को नजर अंदाज कर रही है। परिजनों का कहना है कि पुलिस मामले को नजर अंदाज कर रही है। साथ ही समझौते का दबाव बना रही है। पीड़ित ने एसपी देहात से मिलकर आरोपियों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट में केस दर्ज करने की मांग की है भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सचिन देव ने कहा कि कार्तिक को उसकी जाति के कारण निशाना बनाया गया। उन्होंने थाने के दरोगा पर पक्षपात का आरोप लगाया है एसपी देहात से शिकायत के बाद पीड़ित को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है, लेकिन अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पीड़ित परिवार ने दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पेयजल की समस्या से निजात दिलायी

सहारनपुर। वार्ड 54 नूरबस्ती स्थित घोसियों के कब्रिस्तान के सामने मोज्जम कॉलोनीवासियों की लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान करते हुए पार्षद गुलशन कलीम ने नई पानी की पम्प मोटर डलवाई। कॉलोनी में पानी की आपूर्ति बाधित रहने से स्थानीय लोगों को काफी परेशानी हो रही थी। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए पार्षद गुलशन कलीम ने संबंधित विभाग से संपर्क किया और त्वरित कार्रवाई कराकर क्षेत्र में नई मोटर की स्थापना कराई। पानी की मोटर लगने से अब मोज्जम कॉलोनी के लोगों को नियमित रूप से पानी मिल सकेगा। क्षेत्रवासियों ने पार्षद गुलशन कलीम का आभार जताया और इस कार्य के लिए सराहना की।

पसमांदा मुस्लिम महाज की बैठक में उठे अहम मुद्दे

समाज में भेदभाव खत्म करने और आरक्षण का लाभ को लेकर चर्चा

सुलतानपुर, ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज की एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश महामंत्री एवं मध्य जोन के अध्यक्ष अफजाल अंसारी ने की। इसमें मंडल अध्यक्ष जलील अहमद, जिला अध्यक्ष जफ्फार घोसी समेत कई पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में जिला संगठन के कार्यों की समीक्षा की गई। पदाधिकारियों को पसमांदा समाज की समस्याओं पर सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए। संगठन का लक्ष्य पसमांदा समाज को सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है। महाज के नेताओं ने स्पष्ट किया कि यह एक गैर-राजनीतिक संगठन है। इसमें सभी दलों के लोग शामिल हैं। मुस्लिम समाज में 95 प्रतिशत पसमांदा समुदाय के लोग हैं। संगठन ने सरकारी आरक्षण का स्वागत किया है। अफजाल अंसारी ने जनगणना में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग अपना नाम और जाति अवश्य दर्ज कराएं। इससे आरक्षण का लाभ अधिक मिल सकेगा। बैठक में समाज की संपत्ति और राजनीतिक अधिकारों पर भी चर्चा हुई। बैठक में यह भी उठा कि पसमांदा समाज को हिंदू समाज से नहीं, बल्कि कुछ इस्लामी भाइयों से भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

कुछ लोग उन्हें शूद्र की श्रेणी में रखते हैं। प्रतिनिधियों ने कहा कि पसमांदा समाज भी मुस्लिम समाज का हिस्सा है। उन्होंने धर्मगुरुओं से सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने की मांग की। साथ ही समाज में एकता और भाईचारा बनाए रखने की अपील की।

प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल को श्री रामलीला उत्सव समिति का पुनः निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया

आदेश मिश्र/मुंबई

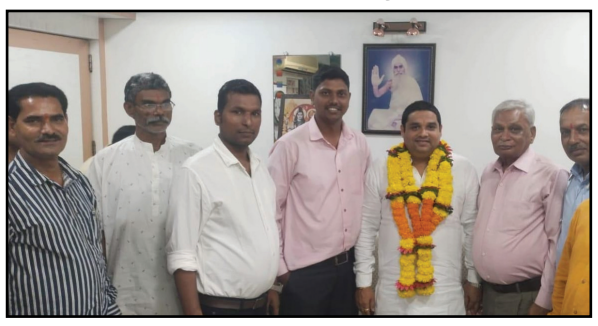

श्री रामलीला उत्सव समिति पार्क साईट की वार्षिक सभा 22 जून दिन रविवार को रेखा अपार्टमेंट अमृतनगर घाटकोपर वेस्ट मुंबई में सभा का आयोजन किया गया। जिसमें समिति के पूर्व अध्यक्ष स्व.चंद्रशेखर शुक्ल और विमान हादसे में मारे गए दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई ।तत्पश्चात प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल को समिति का पुनः दूसरी बार सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया तथा समिति के अन्य पदाधिकारी यथावत बने रहने का जोरदार समर्थन हुआ। और गत वर्ष का आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा आयोजित आगामी 22 सितम्बर से 3 अक्टूबर 2025 तक रामलीला मंचन, राम बारात शोभा यात्रा,विजयदशमी एवं कवि सम्मेलन की तैयारी हेतु विचार विमर्श किया गया। नव नियुक्त अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल का समिति के रामबिलास पाठक,दिवाकर मिश्र, श्रीनाथ पांडेय, आदेश मिश्र,दलजीत पांडेय, सर्वदेव पांडेय,विमलेश मिश्र,रत्नेश शुक्ल, बृजेश शुक्ल,दिनेश सिंह,अरविंद शुक्ल,राजन सिंह, अनिल सिंह,शुभम सिंह,ब्रह्मदेव दुबे,राजेश सिंह,अवधेश तिवारी, रामतीरथ शर्मा,मोहन श्रीवास्तव,संदीप दुबे, नीरज शुक्ला, राजीव पांडेय,शैलेन्द्र गुप्ता,प्रेम तिवारी,तपस्वी चौरसिया, रमापति यादव,राजेश पांडेय,सुधाकर मिश्र संजय मिश्रा सहित उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। अपने संबोधन में प्रभाकर शुक्ल ने कहा कि आप सब के सहयोग और समर्थन में आगामी रामलीला मंचन कार्यक्रम को एक नई ऊंचाई देने का प्रयास किया जायेगा और अंत में समिति मीडिया प्रभारी रएड आदेश मिश्र ने आए हुए समिति के सभी गणमान्य लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीएम ग्रिड परियोजना की सड़कों के निर्माण में लेटलतीफी पड़ी भारी- जीरो टॉलरेंस पर नगर आयुक्त द्वारा लगातार कार्रवाई जारी

- सीएम ग्रिड फेज 1 की सड़को के निर्माण कार्यो में लापरवाही व लेटलतीफी मैसर्स ठेकेदार कोनार्क कंस्ट्रक्शन व मैसर्स पीपीएस को पड़ी भारी
- नगर आयुक्त ने डेढ़ माह में दोनों कार्यदाही फर्मो पर लगाया 1 करोड़ 11 लाख 64 हजार का जुर्माना

भारत संवाद

पिछले 6 मई को नगर आयुक्त के रूप में अलीगढ़ नगर निगम में पदभार ग्रहण करने वाले प्रेम प्रकाश मीणा ने यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री महोदय की जीरो टॉलरेंस नीति को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री महोदय की सर्वोच्च प्राथमिकता की योजना मुख्यमंत्री-ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (अर्बन) (सी.एम.ग्रिड्स) योजनान्तर्गत फेज-1 की 7 सड़कों के निर्माण में देरी, प्रोजेक्ट को कंप्लीट करने में लेट लतीफी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक 1 करोड़ 11 लाख 64 हजार का जुमार्ना लगाया है।अलीगढ़ नगरीय क्षेत्र में सीएम ग्रिड की 7 सड़कों का निर्माण कार्य मैसर्स कोनार्क कंस्ट्रक्शन व मैसर्स पी0पी0एस0 द्वारा किया जा रहा है। बीते डेढ़ माह में नगर आयुक्त ने ताबड़तोड़ 7 सड़कों के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और जमकर आर्थिक जुमार्ना लगाया।

मैसर्स पीपीएस पर नगर आयुक्त ने 4 जून को 64.48 लाख व 19 जून को 20 लाख सहित कुल 84.48 लाख का जुमार्ना लगाया है

मैसर्स कोनार्क कंस्ट्रक्शन पर नगर आयुक्त ने 4 जून को 27 लाख 16 हजार का जुमार्ना लगाया है।

दोनो फर्मो पर कुल 1 करोड़ 11 लाख 64 हजार का जुमार्ना लगाया जा चुका है।

सीएम ग्रिड फेज-1 में सड़को/धनराशि/फर्म का विवरण

पैकेज 1 अंतर्गत लगभग 19 करोड़ 5 लाख की लागत से वार्ड 32 व 82 में स्वर्ण जयंती नगर चौराहे से रमेश विहार रोड लगभग 1.56 मीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य(कार्यदाही फर्म मैसर्स कोनार्क कंस्ट्रक्शन)

पैकेज 1 अंतर्गत लगभग 8 करोड़ 96 लाख की लागत से वार्ड 49 बेगपुर मैरिस रोड अब्दुल चौराहे से केला नगर चौराहे तक 0.72 मीटर लम्बी सड़क निर्माण कार्य (कार्यदाही फर्म मैसर्स कोनार्क कंस्ट्रक्शन)

पैकेज 1 अंतर्गत लगभग 17 करोड़ 47 लाख की लागत से वार्ड 33, 49, 53, 74, 82 में रामघाट रोड पर मीनाक्षी पुल से रामघाट रोड क़्वार्सी थाने तक 2.65 मीटर लम्बी सड़क निर्माण कार्य (कार्यदाही फर्म मैसर्स कोनार्क कंस्ट्रक्शन)

सत्संग मानव जीवन के लिए है अनमोल वरदानः साध्वी भारती

भारत संवाद

सहारनपुर। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान, सहारनपुर स्थित सत्संग आश्रम में साप्ताहिक सत्संग का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर पूज्य गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्यप सपध्वी सुश्री पूज्स भारती जी ने अपने प्रभावशाली प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को अध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

साध्वी ने अपने प्रवचनों में बताया कि सत्संग एक मानव के जीवन में अत्यंत आवश्यक है। सत्संग में सम्मिलित होने से मन में उठने वाले अनेक प्रश्नों का समाधान प्राप्त होता है। जब कोई साधक सत्संग में मिले विचारों को अपने जीवन में उतारता है, तो वह गुरु की अपार कृपा का अनुभव करता है।

उन्होंने यह भी बताया कि गुरु की आज्ञा का पालन एक शिष्य के लिए अनिवार्य है। भक्ति मार्ग एक अत्यंत सरल मार्ग है, जिस पर सहजता से चला जा सकता है। प्राचीन काल में जब शिष्य गुरु आश्रम में प्रवेश करते थे, तो उन्हें अनेक परीक्षाओं से गुजरना पड़ता था, तब जाकर उन्हें ज्ञान प्राप्त होता था। किन्तु आज के युग में पूज्य गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी उसी दिव्य ज्ञान को बहुत ही सरलता और सहजता से हर मानव को प्रदान कर रहे हैं, जिससे मानव मात्र का कल्याण संभव हो सके। सत्संग में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही और सभी ने शांति व भक्ति का अनुभव किया। कार्यक्रम का समापन भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

गुजरात हैंडीक्राफ्ट उत्सव, जे.एस.एस. मैसुर अर्बन हाट, में बीस जून से।

मैसुर, कर्णाटक मे छाया इन्डेक्ष्ट-सी, गुजरात का गुजरात हैंडीक्राफ्ट उत्सव-2025

- जे.एस.एस. मैसुर अर्बन हाट मे 20 से 29 जुन, 2025 तक गुजरात हस्तशिल्प उत्सव
- डॉ. संजय जोषी आइ.ए.एस., एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, इन्डेक्ष्ट-सी- गुजरात के कर-कमलो से उत्सव का हुवा भव्य शुभारंभ

भारत संवाद

मैसुर कर्णाटक

मैसुर मे इन्डेक्ष्ट-सी, गुजरात सरकार द्वारा जे.एस.एस. मैसुर अर्बन हाट, मैसुर, कर्णाटक मे 20 से 29 जुन, 2025 तक गुजरात हैंडीक्राफ्ट उत्सव मे गुजरात के शिल्पकारो की कलाकृति का प्रदर्शन-एवम-बीक्री का आयोजन कीया गया है। जे.एस.एस. मैसुर अर्बन हाट मे यह उत्सव 2016 से लगातार 10 साल से सफलता पूर्वक कीया जा रहा है। गुजरात राज्य के उद्योग और खनन विभाग के कॉटेज एंड रूरल इंडस्ट्री तहत इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन कॉटेज (इन्डेक्ष्ट-सी) कार्यरत है। इन्डेक्ष्ट-सी का मूलभुत उद्देश्य शिल्पकारों की आजीविका को बढ़ावा देना और गुजरात राज्य के दूरंदाज गांवों की जीवंत कलाकृतियों, हस्तशिल्प, कॉटेज और ग्रामोद्योग की वंशानुगत कला को जीवित रखते हुए ओर कलाकृतिओ का सर्जन करने वाले शिल्पकारो को गुजरात राज्य के विभिन्न शहर एवं देश के विभिन्न राज्यों में प्रत्यक्ष विपणन मंच (मार्केटिंग प्लेटफॉर्म) मुहैया करना है। सरकार के द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा मे एक कदम के रूप मे हस्तशिल्प के क्षेत्र से जूडे हुए कला-शिल्पकारो के व्यवसाय-रोजगार मे तेजी लाके शिल्पकारो को आत्मनिर्भरता हासिल करने और आजिवीका के स्तर में बढोतरी के शुभ इरादे के साथ ये उत्सव का आयोजन कीया है। इन्डेक्ष्टझसी द्वारा 20 से 29 जुन, 2025 तक जे.एस.एस. मैसुर अर्बन हाट मे गुजरात हैंडीक्राफ्ट उत्सव, मैसुर मे कीया गया है। यह उत्सव में गुजरात राज्य की बहेतरीन शिल्पकला से जुडे शिल्पकार, हेन्डलूम-हस्तशिल्प की समिति, कलस्टर, एन.जी.ओ., एस. एच.जी ग्रुप एवंम कला-शिल्पकारो के 75 से ज्यादा दुकानो के माध्यम से प्रत्यक्ष विपणन मंच (मार्केटिंग प्लेटफॉर्म) मुहैया कीया गया है। गुजरात के बहेतरीन हथकरघा और हस्तशिल्प, पटोला बुनाई, कच्छी-शॉल बुनाई, कच्छी-कसीदाकारी, अजरख ब्लॉक प्रिंट, टाई एंड डाई (बंधेज), जरी-जरदोशी का काम, मोती का काम, बंधन बार, लेदर वर्क, लकड़ी और धातु का काम, ज्वेलरी, आभूषण और कलाकृतियों के विशेष संग्रह से गृह सजावट और आदि सामान का प्रदर्शन-एवम-बीक्री का आयोजन है। जीस मे एवोर्डी और विलुप्त कला के शिल्पकार शामिल हो कर लाइव डेमोस्ट्रेशन करने वाले है। उत्सव मे रमत गमत, युवा और सांस्कृतिक प्रवृत्तिया विभाग, गुजरात सरकार के सहयोग से सांस्कृतिक 20 से 22 जुन, 2025, 3 दिन के लिए गुजराती रास-गरबा के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन कीया गया। है। जिस मे, जुनागढ-गुजरात के नर्तल कला केन्द्र का ट्रेडीशनल गरबा और पोबंदर-गुजरात के श्री चामुंडा महेर रास मंडल का ढाल-तलवार रास की विविध कृति के साथ गुजराती ट्रेडीशनल रास-गरबा की प्रस्तुति की गई। जीस का मैसुर की जनताने जमकर लुप्त उठा के कलाकारो के साथ मंच साजा कर गरबे का आनंद लीया।

मेडिकल कैंप का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर(अम्बेहटा)। नगर के मोहल्ला नागान में पूर्व चेयरमैन हाजी हाफिज शाकिर की याद में एक दिवसीय मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया।कैंप का उद्घाटन अबेहटा प्रेस क्लब अध्यक्ष आलोक मित्तल,पूर्व चेयरमैन अखिलेश जैन ने संयुक्त रुप से किया कैंप में डॉ शिवम गुप्ता, डॉ संतोष, डॉ समीरा,डॉ राजीव कुमार,डॉ शाहरुख शाकिर ने कैंप मे आएं मरीजों का इलाज किया और दवाइयो का वितरण किया। इस दौरान पूर्व चेयरमैन इनाम शाकिर, सभासद जिन्दा हसन शाकिर, शहजाद कुरैशी,मनोज गुप्ता, सलीम कुरैशी, हाजी शफीक अहमद,सलीम कुरैशी, मुशर्रफ, नासिर असलम अन्सारी, खालिद अंसारी,अनू ठेकेदार शादाब गाड़ा, तारिक चैधरी,राव शाहरुख, सरदार मंजीत सिंह, आदि उपस्थित रहे

मेडिकल कॉलेज से कैंसर के बहाने फरार हुआ लुटेरा मुजाहिद

भारत संवाद

सहारनपुर। मेरठ मेडिकल कॉलेज में इलाज के नाम पर भर्ती कराया गया लुटेरा मुजाहिद पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। 24 मार्च से कैंसर इलाज के बहाने भर्ती हुआ आरोपी 19 जून को मेडिकल से चकमा देकर भाग निकला, जबकि उसकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी अस्पताल में मौजूद ही नहीं थे। मामले के खुलासे के बाद सहारनपुर पुलिस हरकत में आई और नवीन कुमार समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। बताया गया है कि लुटेरा मुजाहिद सहारनपुर जेल में बंद था, लेकिन खुद को कैंसर पीड़ित बताते हुए उसने मेडिकल कॉलेज में भर्ती होने का आवेदन किया। जांच के बिना ही पुलिस उसे इलाज के लिए मेरठ मेडिकल कॉलेज में ले गई। हैरानी की बात यह रही कि जिस समय वह फरार हुआ, अस्पताल में उसकी निगरानी के लिए तैनात कोई भी पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद नहीं था।घटना की जानकारी दबाने की कोशिश की गई, लेकिन बाद में मामला सोशल मीडिया के जरिए सामने आया। सहारनपुर पुलिस ने ट्वीट कर जानकारी साझा की कि आरोपी की सुरक्षा में तैनात चारों पुलिसकर्मी निलंबित कर दिए गए हैं और मेडिकल थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की कई टीमें अब आरोपी मुजाहिद की तलाश में लगी हुई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पूरा मामला अब पुलिस की लापरवाही और अपराधियों की चालाकी का ताजा उदाहरण बनकर सामने आया है।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

भारत संवाद

सहारनपुर। दिल्ली रोड स्थित गुर्जर भवन में युवा रोड़ प्रतिभा सम्मान किया गया जिसमें कार्यक्रम के अध्यक्ष चै० देवी सिंह (प्रधान) के धर्मशाला हरिदार), डायोगराज, जि. एम. के. वौधरी, मनोज कुमार (प्रधान) संगठन शिवराज रोड़ की बरिष्ठ भाजपा नेता, श्रीमति संगीता राह नागल क्रिकेट कमेटी के पदाधिकारीगण संयुक्त रूप से भाग लिया। समारोह में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के छात्र- छात्राओ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डा.पूर्णचन्द्र शास्त्री,सुरेन्द्र कुमार,धोमेन्द्र रोह, रामपालसिंह, अरकिन्छ एड.डा. नरेशपाल,चो. धीरसिंह राह श्रीमति स्मृति, चोन्गुलवान रोड चोर को वाराण चै. मेहताब सिंह, सुदेशफल जी (यमुनानगर) कृष्ण कुमार, के अतिरिक्त युन रोड़ चेतना सभा के अध्यक्ष अवनीश रोड़, महासचिव द्वा. सुमित सिंह बरिस्काध्यक्ष संजय ए३० उपाध्यक्ष विजयकुमार को बाध्यश प्रदीपच्कुमार शुशील कुमार कन्हैया रोड़, अनिल मेहल जि.अ.भा.किसान संघर्षर अवनीत कुमार (गला विभाग), जोनेश कुमार, रविन्द्र कुमार दिनेश कुमार, रजत चैधरी, सोनी रोड़घ आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा० सुमित कुमार सिंह एव नवनीश कुमार एड. (सष्ट्रीगढ-हाईकारी ने किया कार्यक्रम में समाज के वक्ताओं ने प्रतिभावान छात्र द्वालाओं को अपना आशनिगद प्रदान करते घ्हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

कहानी

बंदर क्या जाने

अदरक का स्वाद

अनंत भाई क्या आज कुछ सनाएँगे? बहुत दिनों से कुछ सुनाया नहीं। वैसे इस महीने आपकी जो कविता झरोखा पत्रिका में छपी है, वह बहुत अच्छी है। आप चाहें तो वही सुना दीजिए। अनंत नारायण बच्चों के कवि हैं अर्थात बाल साहित्यकार हैं। बच्चों के लिए लिखी गईं उनकी कविताएं मुझे बहुत पंसद हैं। वे अपनी कविताएं तो सुनाते ही हैं, दूसरों की बाल कविताएं भी सुनाते हैं। उनकी स्मरणशक्ति बहुत अच्छी है। मेरे साथ राजमणि भैया भी थे। ये मेरे बड़े भाई हैं। मेरे और राजमणि के कहने पर अनंत नारायण ने यह कविता सुनाई–

चुहिया लाई चावल चीनी बिल्ली लाई आटा
हरी सब्जियाँ ताता लाया धोकर उनको काटा
मुर्गी पूरा मटका भरकर दूध कहीं से लाई
आग जलाकर मीठी मीठी उसने खीर पकाई
पूड़ी बनी, बनी तरकारी सबने मिल जुलकर खाया
कामचोर कौवे का मन भी देख देख ललचाया

वाह वाह खूब कविता सुनाई। पर यह कविता मेरी नहीं है। अनंतनारायण बोला। यह एक अन्य बाल साहित्यकार की कविता है। मैं राजमणि भैया अनंत नारायण बड़ी देर तक बातें करते रहे। छुट्टी का दिन था। गंभीर बातें भी हुईं और हंसी मजाक वाली बातें भी। थोड़ी ही देर बाद अनंतनारायण की बेटी लतिका चाय लाई और अपने हाथ से बनाकर स्वादिष्ट पोहा। सबने चाय पी और पोहा खाया। अनंत नारायण ने कहा ललिता अपने चाचा लोगों को कोई गीत नहीं सुनाओगी? संगीत तो तुम्हारा सबसे प्यारा विषय है। लतिका सुनकर खुश हो गई। यह उसकी रूचि की बात थी। उसने कबीर का पद सुनाया

साधो यह तन ठाट तंबूरे का ऐंचत तार मरेरत खूंटी निकलराग हूजूरे का....

पद बड़ा था। पद सुनाते समय न केवल लतिका की आंखें बंद थीं, बल्कि हम लोग भी इतने मगन होकर सुन रहे थे कि हम लोगों की भी आंखें बंद ही थीं। हम लोगों की आंखें तब खुलीं जब गीत पूरा हुआ। लगा जैसे हम लोग संगीत की धारा में बह रहे थे। बातें समाप्त कर जब कर जब चलने लगे तो अनंतनारायण बोले भाई कल विश्वविद्यालय की ओर से नहीं जाना। क्यों? मुझे विश्वविद्यालय में काम है। क्या काम है? काम कुछ नहीं वहां जो बैंक है, उससे पैसे निकालने हैं, पैसे ज्यादा हैं, पूरे पचास हजार। जरूरत ही ऐसी आ गई है। समय खराब है। इतनी रकम बैंक से निकालकर अकेले घर लाने में डर लगता है। मँडुआडीह से आगे कुछ दूर तक एकांत हो जाता है। तुम साथ रहोगे तो अच्छा रहेगा। बात सही है। मैं तुम्हारे साथ चलूंगा और तुम्हारे साथ ही वापस आऊँगा। दूसरे दिन मैं और आनंत नारायण बैंक गये। भीड़ ज्यादा थी। अनंतनारायण ने रूपये लेकर बैग में रखे। भीड़ पूरी घट गई थी। क्लर्क कागज की पुड़िया मुंह में रखकर वह बगल के साथी से बातें करने लगा। अनंतनारायण ने अपनी पासबुक मांगी। उसने ऐसे पासबुक उछालकर दी जैसे फुटबाल हो। अनंतनारायण को बुरा लगा। पासबुक पटल पर रखे या हाथ में दें। उछालकर देना तो अनुचित है। उन्होंने विश्वविद्यालय में तीस वर्ष पढ़ाया है। प्रोफेसर के सम्मानित पद से रिटायर हुए हैं। उनके साथ एक क्लर्क ऐसा व्यवहार करें, यह दुखद है। पर उन्होंने कुछ कहा नहीं। लेकिन जब पासबुक देखी तो उसमें रूपये चढ़ाये नहीं गये थे। उन्होंने कहा साहब पासबुक में रूपये चढ़ा दीजिए। आपको रूपये मिल गये न? अब आप जाइए। पासबुक में रकम चढ़वानी है तो पासबुक छोड़ जाइए। कल आकर ले जाइएगा। रकम चढ़ जाएगी। एक बार यहां आने में सौ रूपये लगते हैं। कल फिर इतने ही रूपये लगेंगे। सिर्फ पासबुक के लिए ही कल मुझे आना पड़ेगा। मैंने जो कह दिया सो कह दिया। बहस मत करिये। मैं बोला ये इस विश्वविद्यालय के सम्मानित प्रोफेसर रहे हैं। ये बहुत विद्वान हैं। आप इन्हें नहीं जानते। होंगे प्रोफेसर। मैं इन्हें नहीं जानता। यहां तो सब अपने को प्रोफेसर ही कहते हैं।

यह बात मुझे बुरी लगी और अनंतनारायण को भी। हम दोनों मैनेजर के पास गये। मैंने अनंतनारायण का परिचय दिया और क्लर्क की शिकायत की। मैनेजर ने कहा, क्लर्क की शिकायतें औरों ने भी की हैं। पता नहीं यह कब सभ्य बनेगा। यह कहकर वे हम लोगों के साथ क्लर्क के पास आये, आप इस समय क्या कर रहे हैं? आराम फरमा रहे हैं। नहीं नहीं पान खाकर... थकान दूर कर रहे हैं। बैंक थकान दूर करने के लिए हैं या काम करने के लिए। इस समय आप कोई काम नहीं कर रहे हैं। फिर अनंतनारायण की ओर देखकर कहा आप पासबुक बिना रकम चढ़ाये वापस कर रहे हैं। सिर्फ पासबुक के लिए कल ये सौ रूपये फिर खर्च करेंगे। आप जानते हैं ये कौन हैं। ये विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं और बहुत बड़े साहित्यकार हैं। आपके सामने इनका परिचय भी दिया गया। फिर भी कुछ समझ में नहीं आया। वे आगे बोले, अदरक बड़ी उपयोगी चीज होती हैं। भोजन में भी पड़ती है और दवा के काम भी आती है। पर बंदर को दे दी जाए तो वह दांत से कुतरकर फेंक देगा। वह अदरक का गुर जानेगा ही नहीं। इसी पर कहावत है बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। यही हाल आपका है। आपके सामने एक महान व्यक्ति खड़े हैं। पर आपमें इतनी समझ नहीं है कि आप उन्हें सम्मान दें। मैं अभी पासबुक ठीक कर देता हूँ, कहकर एक मिनट में क्लर्क ने रकम चढ़ाकर पासबुक वापस कर दी। हम दोनों को मैनेजर साहब का व्यवहार तो अच्छा लगा ही, उनका हिंदी ज्ञान देखकर भी प्रसन्नता हुई। कहावत का उन्होंने बहुत सही प्रयोग किया था। पासबुक लेकर हम लोग साथ साथ वापस चले आये।

> हम लोग भी इतने मगन होकर सुन रहे थे कि हम लोगों की भी आंखें बंद ही थीं। हम लोगों की आंखें तब खुलीं जब गीत पूरा हुआ। लगा जैसे हम लोग संगीत की धारा में बह रहे थे। बातें समाप्त कर जब कर जब चलने लगे तो अनंतनारायण बोले भाई कल विश्वविद्यालय की ओर से नहीं जाना। क्यों? मुझे विश्वविद्यालय में काम है। क्या काम है? काम कुछ नहीं वहां जो बैंक है, उससे पैसे निकालने हैं, पैसे ज्यादा है, पूरे पचास हजार। जरूरत ही ऐसी आ गई है। समय खराब है। इतनी रकम बैंक से निकालकर अकेले घर लाने में डर लगता है।

हंसगुल्ले

टीचर ने बच्चों की कॉपी पर नोट लिखवाकर भेजा - कृपया बच्चों को नहला कर भेजा करें।
बच्चों की माँ ने नोट जवाब में लिखा - कृपया बच्चों को पढ़ाया करें, सूंघा न करें।

• • • • •

नया कर्मचारी, 'तुम इस दफ्तर में कब से काम कर रहे हो?'
पुराना कर्मचारी, 'जब से बॉस ने मुझे निकालने की धमकी दी है।'

• • • • •

दादी नाराज होकर पोते से बोली ज्यादा परेशान करोगे तो मैं भगवान के घर चली जाऊंगी।
पोता: दादी रिक्शा लेकर आऊं क्या ?

• • • • •

एक चूहे ने हाथी से कहा, 'यार अपनी शर्ट दो दिनों के लिए देना।'
हाथी हंसकर बोला, 'हा.हा.हा. पहनेगा क्या ?'
चूहा, 'नहीं, घर में शादी है, तंबू लगवाना है।'

• • • • •

बैरा, इधर आओ! ग्राहक चिल्लाया। बैरा सहमता हुआ ग्राहक के पास आ खड़ा हुआ।
'देखो चाए के प्याले मे मक्खी पड़ी हुई है!' बैरे ने तर्जनी उंगली से मक्खी प्याले से निकाली और बहुत गौर से देखने लगा। फिर बडी गंभीरता से उत्तर दिया--
हमारे होटल की नही है।

• • • • •

मज़दूर (मालिक से) : गधे की तरह काम कराया और मज़दूरी सिर्फ बीस रुपया ... कुछ तो न्याय कीजिए।
मालिक (मुनीम से) : ठीक है यह न्याय मांगता है तो इस के सामने घास डाल दो और रुपये ले लो।

• • • • •

एक व्यक्ति की अपने तोते से तबियत भर गई। उस ने उसे नीलाम किया। बोली 100 रुपये पर छूटी।
खरीददार मुस्कुराकर कहने लगा, खैर, ले लेता हूं लेकिन इतना बतादें कि यह बोलेगा भी? दुकानदार : अजी, यही तो आपके खिलाफ बोली बढ़ा रहा था!

• • • • •

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) : 'सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।'
इंस्पैक्टर : 'तो तुम उस गाड़ी के पीछे क्यों छिपे थे?'
नया सिपाही : 'जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।'

जानिए

30 साल में बनती है एक डाली

सुगुआरो कैक्टस (कार्नेजिया जाइगैंटिया) दुनिया का सबसे धीमी गति से बढ़नेवाला पौधा है। उसकी एक डाली पूरे 30 साल में तैयार होती है। सगुआरो उत्तरी अमरीका (अरिजोना) में पाया जाता है। उसकी बढ़त धीमी होते हुए भी वह 18 मीटर की ऊंचाई प्राप्त कर सकता है। इतना बड़ा होते हुए भी, इसकी अधिकांश जड़ें जमीन में कुछ ही सेंटीमीटर की गहराई में फैली होती हैं। केवल एक मुख्य जड़ जमीन में लगभग दो फुट की गहराई तक उतरता है। इस कारण सगुआरो तूफानों में आसानी से उखड़ जाता है। स्थानीय निवासी सूखे सगुआरो तने से घरों की छतें, फर्नीचर, बाड़ आदि बनाते हैं। वह एक दीर्घजीवी पौधा है, जो 200 साल तक जीवित रह सकता है। इसके फूल रात को खिलते हैं। यह रेगिस्तानी पौधा अनेक पशु-पक्षियों को सहारा देता है। इनमें शामिल है गिला कठफोड़वा, बैगनी मार्टिन, घरेलू फिंच, गिल्डेड फ्लिकर (एक प्रकार की चिड़िया), एल्फ आउल (बौना उल्लू), इत्यादि। ये इस पौधे के लंबे तने में छेद करके उनमें रहते हैं।

रंग भरो

कविता

अगर पेड़ भी चलते होते

अगर पेड भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते
बांध तने में उसके रस्सी
चाहे जहाँ कहीं ले जाते।

जहाँ कहीं भी धूप सताती
उसके नीचे झट सुस्ताते
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती
उसके नीचे हम छिप जाते।

लगती भूख यदि अचानक
तोड मधुर फल उसके खाते
आती कीचड-बाढ कहीं तो
झट उसके ऊपर चढ जाते।

अगर पेड भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते।

एक कहानी में सारे

आसमान कितना ऊँचा है !
कितने ऊँचे हैं तारे !
पर आ जाते जाने कैसे !
एक कहानी में सारे!

%दोस्त अगर बन जाएं मेरे
आसमान के, माँ तारे ?
तो मैं तेरे जन्म दिवस पर
दूँगी सब को गुब्बारे

मजा आएगा तब तो कितना
जाएंगे जब घर तारे
आसमान में तारों के संग
होंगे कितने गुब्बारे !

मगर कँहा से लाओगी माँ
इतने सारे गुब्बारे ?
बतला दूंगी, बतला दूंगी
जब आएंगे घर तारे !

बिंदु मिलाओ

रास्ता खोजो

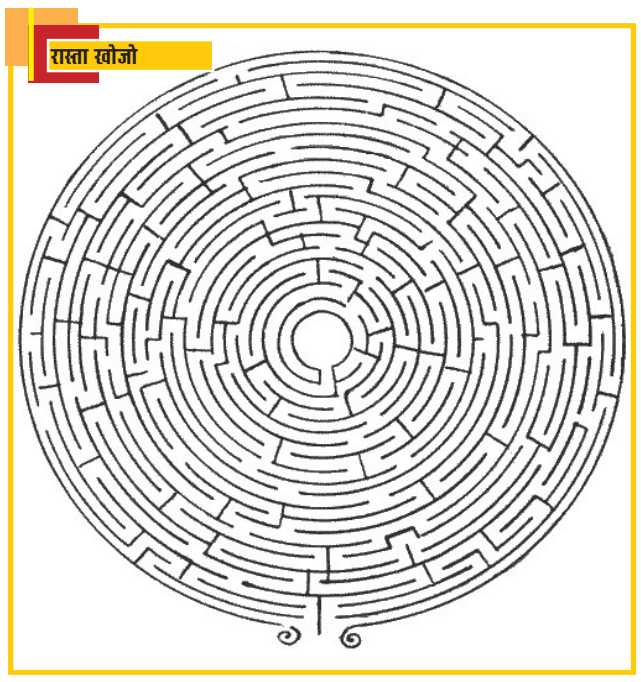

पहेलियां

लाल डिबिया में हैं पीले खाने,
खानों में मोती के दाने ?

❐ ❐ ❐ ❐

वह रहती नहीं बीमार, फिर भी खाती गोली,
बच्चे, बूढ़े डर जाते, सुनकर उसकी बोली।

❐ ❐ ❐ ❐

धनदौलत से बड़ी है यह,
सब चीजों से ऊपर है यह,
जो पाए पंडित बन जाए
बिन पाए मूर्ख रह जाए ?

❐ ❐ ❐ ❐

जो करता है वायु शुद्ध,
फल देकर जो पेट भरे,
मानव बना है उसका दुश्मन,
फिर भी वह उपकार करे ?

❐ ❐ ❐ ❐

गोल है पर गेंद नहीं,
पूँछ है पर पशु नहीं,
पूंछ पकड़कर खेलें बच्चे,
फिर भी मेरे आंसू न निकलते ?

❐ ❐ ❐ ❐

उत्तर - अनार, बंदूक, विद्या, पेड़, गुब्बारा।

पाकिस्तान में क्रिप्टो बिजनेस की कमान संभालेंगे आर्मी चीफ मुनीर

34 हजार करोड़ के क्रिप्टो बिजनेस की तैयारी में अमेरिका; ट्रम्प-शहबाज फैमली भी पार्टनर

एजेंसी

इस्लामाबाद/ वॉशिंगटन, पाकिस्तान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कुनबे का क्रिप्टो कारोबार अब आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर संभालेंगे। वाइट हाउस में हाल में ट्रम्प द्वारा मुनीर को डिनर डिप्लोमेसी के तहत न्योते में क्रिप्टो डील को फाइनल करना था। पाक क्रिप्टो काउंसिल ने पाकिस्तान के 17,000 करोड़ रुपए के क्रिप्टो बिजनेस का ट्रम्प परिवार के दबदबे वाली वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल से करार किया है। पाक सरकार ने क्रिप्टो बिजनेस के अनुकूल नीतियों में बदलाव भी शुरू कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार ट्रम्प परिवार अगले दो साल में पाक में क्रिप्टो बिजनेस को दोगुना कर 34 हजार करोड़ रुपए करने की तैयारी में है। मुनीर पाक में क्रिप्टो बिजनेस को अपने हाथ में लेंगे। इसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद मुनीर द्वारा सीजफायर करने का ट्रम्प

की ओर से इनाम समझा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार ट्रम्प-मुनीर में डील कराने में पाक मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन साजिद तरार अहम किरदार हैं। रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े तरार फाइनेंस व रियल एस्टेट फर्म मैक्सिमस इन्वेस्टमेंट ग्रुप चलाते हैं। मुनीर को डिनर का न्योता दिलाने में भी तरार का मुख्य रोल रहा। पाकिस्तानी आर्मी के कई बिजनेस भी चलते हैं। अनुमान है कि पाक आर्मी का लगभग सवा दो लाख करोड़ रुपए का बिजनेस है। फौजी फाउंडेशन (एफडी), आर्मी वेलफेयर ट्रस्ट (एवीटी) और डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (डीएचए) जैसे संगठन ये बिजनेस चलाते हैं। ये संगठन उर्वरक, सीमेंट, ऊर्जा, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों में व्यापार करते हैं। आर्मी चीफ मुनीर इस आर्मी के बिजनेस की आय के कुछ हिस्सा क्रिप्टो करंसी में भी लगा सकते हैं। पाकिस्तान आतंकी फंडिंग के कारण एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) संस्था की वॉचलिस्ट में है। जानकारों का मानना है कि पाक क्रिप्टो करंसी में आतंकी फंडिंग कर एफएटीएफ के निगरानी तंत्र को गच्चा दे सकता है। क्रिप्टो करंसी में शामिल ब्लॉकचेन की जटिलता लेनदेन को ट्रैक करना मुश्किल बनाती है। इसका फायदा उठाकर अवैध आतंकी फंडिंग छिपाई जा सकती है। पाक को द. एशिया की क्रिप्टो कैपिटल बनाने का प्लान ट्रम्प का प्लान है कि पाकिस्तान को दक्षिण एशिया की क्रिप्टो कैपिटल बनाया जाए। चेन एनालिसिस रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लोबल क्रिप्टो एडैप्टेशन में पाकिस्तान 9वें नंबर पर है। यहां पिछले तीन साल में क्रिप्टो बिजनेस दोगुना हो गया है। करीब 24.5 करोड़ की आबादी में से लगभग 2.75 करोड़ लोग क्रिप्टो यूजर हैं—जो दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा है। इसकी बड़ी वजह वहां की ब्लैक इकोनॉमी मानी जा रही है। पाक जीडीपी में 46वें, प्रति व्यक्ति आय में 155वां नंबर पर है।ल्ललपीएम शहबाज के क्रिप्टो पर सलाहकार बिलाल ने वेगास कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की मौजूदगी में कहा, पाक क्रिप्टो करंसी वॉलेट और बिटकॉइन माइनिंग का प्लान बना चुका है। इसे जल्द लागू कर दिया जाएगा।

ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने अमेरिकी हमलों की निंदा की

'गंभीर परिणाम' भुगतने की धमकी दी

एजेंसी

ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने रविवार को अमेरिका द्वारा ईरान की परमाणु सुविधाओं पर किए गए हमलों की तीखी आलोचना की, और गंभीर परिणामों की चेतावनी दी। अराघची ने इन हमलों को अंतर्राष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का स्पष्ट उल्लंघन बताया। एक्स पर अपने बयान में, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य अमेरिका पर 'शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों' को निशाना बनाकर आपराधिक कृत्य करने का आरोप लगाया। ईरानी विदेश मंत्री ने एक पोस्ट में कहा, 'आज सुबह की घटनाएं अपमानजनक हैं और इसके अनंत परिणाम होंगे। संयुक्त राष्ट्र के प्रत्येक सदस्य को इस बेहद खतरनाक, कानूनविहीन और आपराधिक व्यवहार से चिंतित होना चाहिए।' वैश्विक समुदाय को इस ओर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करते हुए, ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि वाशिंगटन द्वारा की गई ये 'खतरनाक और अवैध' कार्रवाइयां संयुक्त राष्ट्र के हर सदस्य को चौंकाने वाली होनी चाहिए। अराघची ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लेख करते हुए इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान आत्मरक्षा के अपने अधिकार के तहत सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए स्वतंत्र है। पोस्ट में आगे कहा गया, 'संयुक्त राष्ट्र चार्टर और इसके प्रावधानों के अनुसार, जो आत्मरक्षा में वैध प्रतिक्रिया की अनुमति देते हैं, ईरान अपनी संप्रभुता, हित और लोगों की रक्षा के लिए सभी विकल्प सुरक्षित रखता है।' विदेश मंत्री के पोस्ट के कुछ ही क्षण बाद, ईरान के विदेश मंत्रालय ने भी रविवार को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हवाई हमलों की कड़ी निंदा की, और हमलों को अपनी संप्रभुता पर सीधा हमला बताया।

> वैश्विक समुदाय को इस ओर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करते हुए, ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि वाशिंगटन द्वारा की गई ये 'खतरनाक और अवैध' कार्रवाइयां संयुक्त राष्ट्र के हर सदस्य को चौंकाने वाली होनी चाहिए। अराघची ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लेख करते हुए इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान आत्मरक्षा के अपने अधिकार के तहत सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए स्वतंत्र है।

हर अमेरिकी नागरिक अब 'निशाने' पर , ईरान की यूएसए को सीधी धमकी

> अमेरिका के हमलों के बाद, ईरानी सरकारी टीवी प्रस्तोताओं ने गंभीर परिणामों की चेतावनी दी है। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, एक अन्य ईरानी प्रस्तोता ने सरकारी टीवी पर कहा, 'युद्ध अभी शुरू हुआ है, मिस्टर ट्रम्प! अब आप शांति की बात करते हैं? हम आपके साथ इस तरह से पेश आएंगे कि आप लापरवाही के परिणामों को समझ सकें।'

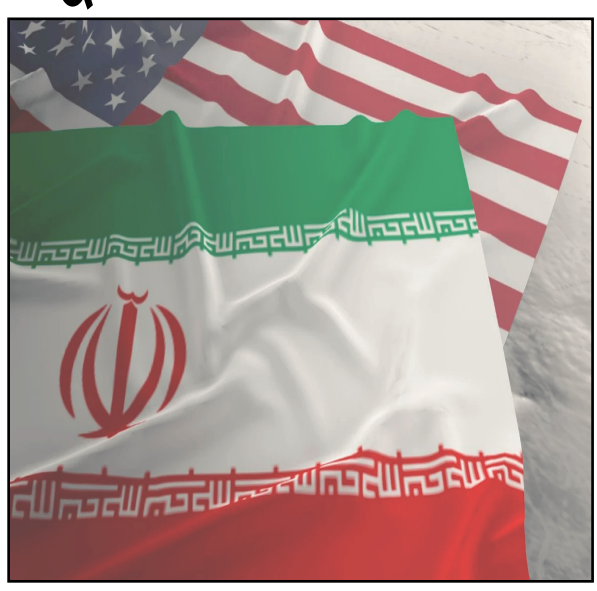

एजेंसी

अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर हमला कर मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष को और भड़का दिया है। अमेरिकी हमलों में ये तीनों केंद्र पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। इस बीच, ईरान के सरकारी टीवी ने दावा किया है कि हमले से कुछ समय पहले ही इन परमाणु स्थलों को खाली करा लिया गया था। साथ ही, टीवी प्रस्तोताओं ने हर अमेरिकी नागरिक के 'निशाने' पर होने की धमकी दी है। ईरानी अधिकारियों ने सरकारी टीवी पर इस्फहान, नतांज और फोर्डो परमाणु केंद्रों पर हुए हमलों की पुष्टि की है। सरकारी एजेंसी आईआरएनए ने इस्फहान के गवर्नर के सहयोगी अकबर सालेही के हवाले से इन हमलों की पुष्टि की। सालेही ने बताया कि कई निवासियों ने इस्फहान और नतांज के परमाणु केंद्रों के पास हमले देखे, और इन क्षेत्रों में कई विस्फोट सुने गए। ईरान के सरकारी टीवी ने आगे दावा किया कि इस्लामिक रिपब्लिक ने कुछ समय पहले ही तीनों परमाणु स्थलों को खाली करा लिया था। सरकारी टीवी के अनुसार, ट्रम्प के बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। ऐसे में नुकसान की सीमा का आकलन करना आवश्यक है। इस्लामिक रिपब्लिक के परमाणु उद्योग को बमबारी से पूरी तरह नष्ट नहीं किया जा सकता। अमेरिकी हमले के बाद, ईरानी सरकारी टीवी प्रस्तुतकताओं ने भी संभावित परिणामों की चेतावनी दी। अमेरिका के हमलों के बाद, ईरानी सरकारी टीवी प्रस्तोताओं ने गंभीर परिणामों की चेतावनी दी है। आईआरएनए ने एक प्रस्तोता के हवाले से बताया कि क्षेत्र में मौजूद हर अमेरिकी नागरिक और सैन्यकर्मी अब वैध लक्ष्य बन गया है। एक वायरल वीडियो में, ईरानी सरकारी टेलीविजन ने मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों का एक ग्राफिक दिखाते हुए दावा किया कि इनमें से अधिकांश ठिकाने ईरान की आग की सीमा के भीतर हैं। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, एक अन्य ईरानी प्रस्तोता ने सरकारी टीवी पर कहा, 'युद्ध अभी शुरू हुआ है, मिस्टर ट्रम्प! अब आप शांति की बात करते हैं? हम आपके साथ इस तरह से पेश आएंगे कि आप लापरवाही के परिणामों को समझ सकें।'

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में नौका डूबने से सात पर्यटकों की मौत

एजेंसी

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक नौका के डूब जाने से उसमें सवार सात पर्यटकों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्वात जिले के कलाम के शाही बाग इलाके में 10 पर्यटकों को ले जा रही नौका के पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि स्थानीय लोगों ने तीन अन्य को बचा लिया। बचाव अधिकारियों के अनुसार, चार पर्यटकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। स्थानीय अधिकारियों और बचाव दलों को तैनात कर दिया गया है, लेकिन भूभाग की जटिल संरचना और सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थित होने के कारण बचाव प्रयासों में बाधा आ रही है।

> नेशनल असेंबली (पाकिस्तान की संसद) के सदस्य डॉ. अमजद अली ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को बचाव अभियान में तेजी लाने का भी निर्देश दिया।

नेशनल असेंबली (पाकिस्तान की संसद) के सदस्य डॉ. अमजद अली ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को बचाव अभियान में तेजी लाने का भी निर्देश दिया।

अखिलेश यादव का यूपी में महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान

कहा- सरकार बनते ही लागू की जाएगी योजना

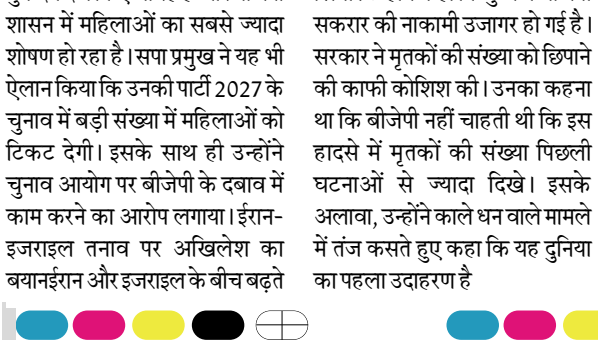

एजेंसी

लखनऊ, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भले ही अभी कुछ समय दूर हों, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीतियां बनाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बड़ा ऐलान किया है। लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सपा प्रमुख ने घोषणा की कि अगर 2027 में उनकी पार्टी की सरकार बनती है, तो 'स्त्री सम्मान योजना' शुरू की जाएगी। इस योजना के तहत गरीब महिलाओं को हर महीने 3000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। अखिलेश ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान सरकार में महिलाओं और बेटियों के साथ अन्याय बढ़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं और बीजेपी शासन में महिलाओं का सबसे ज्यादा शोषण हो रहा है। सपा प्रमुख ने यह भी ऐलान किया कि उनकी पार्टी 2027 के चुनाव में बड़ी संख्या में महिलाओं को टिकट देगी। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग पर बीजेपी के दबाव में काम करने का आरोप लगाया। ईरान-इजराइल तनाव पर अखिलेश का बयानईरान और इजराइल के बीच बढ़ते

> उन्होंने कहा कि सपा सरकार की पहल समाजवादी पेंशन योजना को दूसरे राज्यों में भाजपा या अन्य दलों ने लागू किया और सरकार बना ली और अब उन योजनाओं में कटौती की जा रही है। यादव ने कहा, जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी (पार्टी) की सरकार बनी, तो हमने ह्यसमाजवादी पेंशन के माध्यम से गरीब महिलाओं को 500 रुपये देना शुरू किया। आने वाले समय में गरीब महिलाओं को 3,000 रुपये देने का काम भी समाजवादी पार्टी की सरकार करेगी।

तनाव पर टिप्पणी करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कठिन समय में यह देखा जाता है कि आप किसके साथ खड़े हैं और आपके साथ कौन है। उन्होंने कहा कि अगर आप उस मित्र देश का साथ नहीं देते, जिसने कभी आपका भला किया हो, तो यह विदेश नीति के अनुसार पूरा तरह विश्वासघात है।कुंभ हादसे और काले धन पर बीजेपी को घेराअखिलेश यादव ने कुंभ मेले में हुई घटना और काले धन के मुद्दे पर भी बीजेपी को घेरा और उन्हें आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कुंभ में बीजेपी सकरार की नाकामी उजागर हो गई है। सरकार ने मृतकों की संख्या को छिपाने की काफी कोशिश की। उनका कहना था कि बीजेपी नहीं चाहती थी कि इस हादसे में मृतकों की संख्या पिछली घटनाओं से ज्यादा दिखे। इसके अलावा, उन्होंने काले धन वाले मामले में तंज कसते हुए कहा कि यह दुनिया का पहला उदाहरण है

यूपी के 40 शहरों में बारिश, आगरा में मगरमच्छदौड़ा

बिजनौर में हाईवे डूबा, बिजली से 6 मौत; कल 19 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

> मौसम विभाग के मुताबिक, 24 घंटे में प्रदेश 5 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई। यह औसत 3.9 मिमी के अनुमान से 29 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, 1 जून से अब तक प्रदेश में 55.6 मिमी बारिश हो चुकी, जो कि सामान्य 49.6 मिमी से 12 प्रतिशत अधिक है।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश, यूपी में मानसून जमकर बरस रहा है। लखनऊ समेत 40 शहरों में रविवार को कहीं तेज तो कहीं रुक-रुक बारिश होती रही। बिजनौर में इतनी बारिश हुई कि हाईवे डूब गया। गलियों में नदी जैसा बहाव रहा। बच्चे नहाते नजर आए। मंडी में सब्जियां बह गईं।मुजफ्फरनगर में घर के बाहर खेल रहा मासूम नाले में बह गया। यहां बारिश से घुटनों तक पानी भर गया। झांसी में एक घंटे की बारिश में सड़कों पर 2 फीट तक पानी भर गया। पुनावली चैकडेम ओवरफ्लो हो गया। यहां रक्सा गांव में सुनहरे रंग के 100-150 मेंढक नजर आए। स्थानीय मान्यता है कि सुनहरे रंग के मेंढक दिखते हैं तो अच्छी बारिश होती है।आगरा में चंबल नदी से मगरमच्छ निकलकर गांव पहुंच गया। ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी तो सहम गए। वन विभाग सूचना को दी। वन विभाग ने मगरमच्छ को पकड़कर चंबल नदी में छोड़ा। पीलीभीत में पुल का एक हिस्सा नहर में समा गया। आसपास के लोगों की सूचना पर सिंचाई विभाग की टीम मौके पर पहुंची। राहत-बचाव शुरू किया।चित्रकूट में बरदहा नदी के पानी में कच्ची सड़क बह गई, जिससे कई गांवों का ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क टूट गया। हरदोई में बारिश के पानी में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई। वहीं, बिजली गिरने से बलिया में ज्वेलर समेत 3, देवरिया-बलिया और मुरादाबाद में एक-एक की मौत हुई।सोमवार को 19 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इनमें बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत शामिल हैं।

इन जिलों में 23 जून को बारिश का अलर्ट

प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर के आसपास इलाकों में बारिश की संभावना है।

अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि...

नीतीश कुमार को लेकर ऐसा क्यों बोले तेजस्वी यादव

> तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा कहेगी कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उन्हें अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि पांच साल तक नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे।

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि यह तय हो चुका है और गठबंधन की रणनीति के अनुसार इसका खुलासा किया जाएगा। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, जब सीएम के चेहरे के बारे में पूछा गया, तो यादव ने कहा कि सब कुछ तय हो चुका है। हम अपनी रणनीति के अनुसार इसका खुलासा करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा कहेगी कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उन्हें अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि पांच साल तक नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। भाजपा जिस भी पार्टी के साथ गठबंधन करती है, उसे खत्म कर देती है। पूरे देश में किसी भी क्षेत्रीय पार्टी को देख लीजिए... देखिए भाजपा ने चिराग पासवान की पार्टी के साथ क्या किया। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि 'भक्तों' को नहीं पता कि इरज एक संस्कृत शब्द है। इसका मतलब है 'पवनपुत्र', जो हनुमान का नाम है। भाजपा के लोगों को सनातन के बारे में कुछ नहीं पता।

गुलाम की तरह अंग्रेजी का समर्थन क्यों?

भाषा विवाद को लेकर राहुल गांधी पर निशिकांत दुबे ने कसा तंज

> भाजपा नेता ने आगे कहा कि यही शिक्षा नीति लगभग अभी चल रही है, क्षेत्रीय भाषाओं के साथ भी विद्यार्थी बढ़े इसमें बदलाव अभी माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2020 में किया है।

एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के नेता निशिकांत दुबे ने रविवार को राहुल गांधी पर निशाना साधा और स्थानीय भाषाओं के बजाय अंग्रेजी सीखने को प्रोत्साहित करने के कांग्रेस नेता के इरादों पर सवाल उठाया। साथ ही उन्होंने भाषा के चयन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का विरोध करने के पाखंड की ओर इशारा करते हुए कहा कि 1986 की एनईपी के भी इसी तरह के लक्ष्य थे। निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी जी आपका खोजी सलाहकार आपको बर्बाद करने पर उतारू है, यह आपके पिताजी के द्वारा देश को दिया शिक्षा नीति 1986 का है, इसमें आपके पिताजी हिंदी को बढ़ावा देने, संस्कृत भाषा को सिखाने तथा क्षेत्रीय भाषाओं में अंग्रेजी से अनुवाद करने का वादा देश से कर रहे हैं।भाजपा नेता ने आगे कहा कि यही शिक्षा नीति लगभग अभी चल रही है, क्षेत्रीय भाषाओं के साथ भी विद्यार्थी बढ़े इसमें बदलाव अभी माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2020 में किया है। रुस, चीन, फ्रांस, जर्मनी, अरब देश, जापान, कोरिया सभी को अपनी भाषा पर गर्व है और वह विकसित है, आप गुलामों की तरह अंग्रेजी पर क्यों गर्व करते हैं, हमें तो संथाली, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगला, मलयालम, हिंदी, संस्कृत पर गर्व है।दुबे की पोस्ट राहुल गांधी की एक अन्य पोस्ट के जवाब में की गई थी, जिसमें उन्होंने लोगों, खासकर वंचित पृष्ठभूमि के लोगों को अंग्रेजी सीखने का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि भाषा सीखना समानता, अधिक रोजगार के अवसरों की ओर एक कदम हो सकता है, जो कि भाजपा-आरएसएस नहीं चाहता है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह अंग्रेजी का बांध नहीं है, यह एक पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं है, यह शक्ति है। अंग्रेजी कोई जंजीर नहीं है - यह जंजीरों को तोड़ने का एक साधन है।